महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

इतना मोह भी अच्छा नहीं कि सामने वाले की बुराई दिखनी बंद हो जाए, इतनी नफरत भी अच्छी नहीं कि सामने वाले की अच्छाई दिखनी बंद हो जाए

वर्ष : 17 अंक : 21 | उज्जैन, बुधवार 01 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

भरत तिवारी एनकाउंटरः दिल्ली में लड़ी जाएगी न्याय की लड़ाई, जंतर-मंतर में होगा धरना प्रदर्शन

पटना/ जीएनएस। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में भरत तिवारी के एनकाउंटर का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। भरत तिवारी की तेरहवीं के मौके पर इस मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का एलान किया गया है। वीर शहीद भरत तिवारी न्याय संघर्ष मोर्चा के संयोजक पंकज त्रिपाठी, क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अनिल कुमार सिंह और सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अनिल मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इस मामले को लेकर 17 जुलाई को जंतर मंतर में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही देशभर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके जरिए लोगों का समर्थन जुटाकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पत्र सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक भरत तिवारी मामले में न्याय नहीं मिलता, तब तक कानूनी लड़ाई और आंदोलन दोनों लगातार जारी रहेंगे। एडवोकेट अनिल मिश्रा ने कहा कि उन्हें जांच टीम पर भरोसा नहीं है। ये जांच जनता के ध्यान को भटकाने के लिए होती है। यह कोई महत्वपूर्ण रोल अदा नहीं करती है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में हत्या से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और एनकाउंटर में शामिल सभी अधिकारियों का ट्रांसफर होना चाहिए। उन्होंने गोली मारने वाले आरोपी के लिए फांसी की मांग की है और वकीलों से अपील की है कि उनका केस कोई न लड़े। उन्होंने बताया कि अभी हत्या का मामला दर्ज नहीं किया गया है। जो धाराएं लगी हैं, उसमें कुछ नहीं होना है। जबकि पूरे देश में इससे बड़ा मर्डर केस दूसरा नहीं हो सकता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार को धमकाया जा रहा है। अधिकारी रात में क्यों आ रहे हैं, वह मोबाइल क्यों जब्त करना चाहते हैं? मिश्रा ने कहा कि मोबाइल में अधिकारियों के खिलाफ सबूत हैं, इसलिए उसे खोजा जा रहा है।

प्री-वेडिंग शूट, बाली और इंडोनेशिया का प्लान क्यों हुआ रद...

पुणे/ जीएनएस। पुणे के चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। हत्या से पहले केतन ने अपने परिवार के सामने कई बार अपनी मंगेतर सिया गोयल को लेकर संदेह जताया था। उन्होंने परिवार से यह भी पूछा था कि शादी तय करने से पहले सिया के बैकग्राउंड की पूरी तरह जांच-पड़ताल की गई थी या नहीं। केतन को यह आशंका भी थी कि सिया का किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध हो सकता है। पुलिस के अनुसार, 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल की चट्टान से धक्का देकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपितों को अदालत ने तीन जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा है। केतन और सिया की शादी इसी वर्ष नवंबर में होनी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केतन के पिता विशाल अग्रवाल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में उल्लेख है कि उनके बेटे ने कई बार सिया और चेतन चौधरी की नजदीकियों को लेकर चिंता जताई थी। केतन का कहना था कि सिया अक्सर बातचीत के दौरान चेतन का जिक्र करती थी। इतना ही नहीं, जब भी वह सिया को फोन करते थे, कई बार उसका मोबाइल फोन व्यस्त मिलता था, जिससे उनके मन में संदेह और बढ़ गया। जांच में यह भी सामने आया है कि जून की शुरुआत में केतन और सिया की प्री-वेडिंग ट्रिप बाली, इंडोनेशिया जाने की योजना रद हो गई थी। पुलिस के अनुसार, छह जून को यात्रा रद होने के बाद केतन ने अपने पिता से कहा था कि सिया छोटी-छोटी बातों पर विवाद करती है। इस पर परिवार ने उन्हें समझाया कि कम उम्र के कारण उसका व्यवहार ऐसा हो सकता है और शादी से पहले उसे समझाया जाएगा।

1200 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से निर्मित पेप्सिको के फ्लेवर कंसनट्रेट निर्माण संयंत्र का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया वर्चुअली लोकार्पण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उज्जैन जो पहले धार्मिक नगरी के रूप में पूरे विश्व में प्रसिद्ध था अब औद्योगिक विस्तार की नई इबारत भी लिख रहा है । हमारे लिए यह अत्यंत गौरवशाली क्षण है। म.प्र. शासन के निरंतर प्रयासों से आज म.प्र. ग्लोबल निवेश का हब बन रहा है । औद्योगिक विस्तारीकरण से प्रदेश के कई युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

मंगलवार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विक्रम उद्योगपुरी के ग्राम नरवर स्थित 1266 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित पेप्सिको फ्लेवर कंसनट्रेट निर्माण संयंत्र के लोकार्पण के अवसर पर उक्त वक्तव्य दिए।

उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के शासन काल में उज्जैन विश्व के सबसे समृद्ध और सम्पन्न व्यापारिक नगरो में शीर्ष पर गिनी जाती थी । हमारा लक्ष्य है कि यह नगरी उसी वैभव को पुनः प्राप्त करें । आस्था के साथ उज्जैन उद्योग निवेश और रोजगार का भी अग्रणी केंद्र बनें।

उद्योग स्थापित कर मालवा की प्रगति को निरंतर गति दी जा रही है । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए सशक्त उद्यमी समृद्ध म.प्र. का सफल आयोजन किया जा रहा है।

पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की इस अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई का शुभारंभ होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीयों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि भारत में इस विशिष्ट और उच्च तकनिकी फ्लेवर कंसनट्रेट निर्माण के केवल 02 संयंत्र है । जिनमें से 01 आज से उज्जैन में क्रियाशील हो रहा है । विक्रम उद्योगपुरी में 22 एकड़ क्षेत्र में 1226 करोड़ रुपए के निवेश से इस संयंत्र की स्थापना की गई है । पूरी तरह ऑटोमेशन पर आधारित इस संयंत्र से 800 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है ।

यह नया संयंत्र भारत में कंपनी की विनिर्माण क्षमता को और मजबुत करेगा इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने के साथ क्षेत्र में सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा ।

विक्रम उद्योग पूरी में आयोजित कार्यक्रम में सांसद बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, म.प्र. हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री ओम जैन, नगर निगम सभापती श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, प्रबंध निर्देशक एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, एमपीआईडीसी उज्जैन के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश राठौर सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम में पेप्सिको इंडिया और साउथ एशिया के सीईओ श्री जागृत कोटेचा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह अत्यंत हर्ष का क्षण है कि हमारी कंपनी को यहां म.प्र. शासन के सहयोग से संयंत्र स्थापित करने का अवसर मिला । म.प्र. शासन और एमपीआईडीसी के प्रति हम हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते है।

सांसद श्री बाल योगी उमेंश नाथ जी महाराज ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा की उज्जैनवासियों के लिए आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है । म.प्र. शासन द्वारा किये जा रहे विशेष प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है।

नविन उद्योगों की स्थापना हो रही है जिससे निश्चित रूप से स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होंगा । उज्जैन नगरी धार्मिक पहचान के साथ-साथ औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी ।

अतिथियों का स्वागत पेप्सिको कंपनी के श्री हरदीप भाटिया और एमपीआरडीसी के ई डी श्री राजेश राठौर ने किया। इस दौरान कंपनी के सीईओ इंटरनेशनल बेवरेजेस श्री यूजीन विलेमसेन, जनरल मैनेजर एवं सीनियर वाईस प्रेसिडेंट श्री इवान नॉर्टन उपस्थित थे ।

LPG से आधार कार्ड तक के बदल रहे नियम, 1 जुलाई से आप पर पड़ेगा कितना असर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। नए महीने की शुरुआत के साथ ही नए खर्चे भी सामने आ जाते हैं। लोग महीने की शुरुआत में ही यह तय कर लेते हैं कि पूरे महीने का बजट किस तरह चलाना है। वहीं सरकारी फैसलों की वजह से भी आम आदमी की जेब पर असप पड़ता है।

1 जुलाई से कई बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। एलपीजी सिलिंडर की कीमत, दिल्ली में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की पॉलिसी और कारों की कीमत में भी बड़ा अपडेट होने वाला है।

हर महीने की शुरुआत में एलपीजी सिलिंडरों की कीमत में बदलाव देखने को मिलता है। मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते 1 जून को कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर 53.50 रुपये महंगा कर दिया गया था। हालांकि सरकार ने अब कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर पर कई पाबंदियां हटाने का फैसला लिया है।

यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आधार पहचान पत्र से जुड़े ईमेल एड्रेस को अपडेट करने के लिए लगने वाली 75 रुपये की फीस को 1 जुलाई से छह महीने की अवधि के लिए माफ कर दिया है।

1 जुलाई, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक

आधार मोबाइल एप के जरिए यूजर अपना ईमेल एड्रेस फ्री में अपडेट करवा सकते हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने नॉर्मल और तत्काल पासपोर्ट एप्लीकेशन दोनों के लिए सर्विस फीस बढ़ा दी है। यह बढ़ोतरी भारत और विदेश, दोनों जगहों पर प्रोसेसिंग फीस पर लागू होगी। 1 जुलाई से इस आदेश को लागू किया जाएगा। 2012 के बाद से कीमतों सर्विस फीस में किया गया यह पहला बड़ा बदलाव है।

ITR-1 और ITR-2 नियमों के तहत इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की समय-सीमा 31 जुलाई, 2026 है। यह समय-सीमा व्यक्तिगत टैक्सपेयर्स के लिए है। देर से फाइल करने पर लगने वाली पेनल्टी से बचने के लिए इनकम टैक्स वेबसाइट के जरिए अपना रिटर्न फाइल करने की सलाह दी जाती है।

ITR-1 उन लोगों के लिए है जो सैलरी पाने वाले कर्मचारी हैं और जिनकी एकमात्र अन्य आय बैंक से मिलने वाली ब्याज है। जिन लोगों के पास म्यूचुअल फंड/स्टॉक हैं, दूसरा घर है या जो सालाना 50 लाख रुपये से ज्यादा कमाते हैं, उन्हें ITR-2 फॉर्म भरना होगा।

दिल्ली में नई EV पॉलिसी पर सरकार का प्लान- दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार, 29 जून को दिल्ली कैबिनेट की बैठक में नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी दी गई। इस पॉलिसी को दिल्ली सरकार 1 जुलाई से लागू कर सकती है।

दिल्ली सरकार के इस प्लान के तहत अगले चार सालों में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर करीब 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही प्योर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की खरीद रजिस्ट्रेशन 100 फीसद टैक्स फ्री होगा।

बढ़ जाएगी कारों की कीमत- 1 जुलाई से गाड़ी खरीदना और भी महंगा हो सकता है। किआ मोटर्स समेत कई कार कंपनी गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी कर सकती हैं। किआ ने अपनी कार की कीमत दो फीसद तक बढ़ाने का एलान किया है।

अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ की मीडिया रिपोर्ट गलत एवं बेबुनियाद, भारतीय सेना ने किया खंडन

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना ने सोमवार को मीडिया के एक वर्ग में आई उस रिपोर्ट का खंडन किया जिनमें अरुणाचल प्रदेश में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा घुसपैठ करने और शिविर लगाने का आरोप लगाया गया था। सेना ने इस रिपोर्ट को गलत एवं बेबुनियाद बताया है।

सेना ने कहा, हमने कुछ मीडिया रिपोर्ट देखी हैं जिनमें अरुणाचल प्रदेश में चीन की पीएलए द्वारा हाल ही में घुसपैठ करने और शिविर लगाने का आरोप लगाया गया है। ये रिपोर्ट गलत और आधारहीन हैं।

गौरतलब है कि भारत और चीन ने पिछले महीने बीजिंग में भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श व समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक की थी। बाद में विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बातचीत को रचनात्मक और भविष्योन्मुखी बताया था।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा था कि चीन सीमा पर स्थिति स्थिर है, हालांकि यह संवेदनशील बनी हुई है और लगातार सतर्कता की आवश्यकता है। गलतफहमियों को रोकने व सीमा से जुड़े सामान्य मुद्दों को हल करने के लिए दोनों सेनाओं के बीच सालाना 1100 से अधिक जमीनी स्तर की बातचीत होती है। उनका कहना था कि सेनाओं के पीछे हटने के समझौतों ने जमीनी स्तर पर स्थिरता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

तमिलनाडु में फंदे से लटके मिले प्रेमी जोड़े के शव, पुलिस को आत्महत्या का शक

चेन्नई/ जीएनएस। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले में मंगलवार को दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां 19 साल के दलित युवक और उसकी 16 की प्रेमिका मृत पाए गए। पुलिस को शक है कि अलग-अलग जाति के होने के कारण परिवार के कड़े विरोध के चलते जोड़े ने आत्महत्या कर ली। युवा जोड़े के शव फंदे से लटके हुए मिले, इससे पहले वे लापता हो गए थे।

जांचकर्ताओं के अनुसार, लड़की ने हाल ही में स्कूल की पढ़ाई पूरी की थी और कॉलेज में दाखिले का इंतजार कर रही थी, जबकि युवक के

साथ उसका कुछ समय से रिश्ता था।

पुलिस के मुताबिक, अलग-अलग जाति के होने के कारण दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ रहा था। जांचकर्ताओं ने बताया कि लड़की के परिवार ने कथित तौर पर युवक को इस रिश्ते को लेकर चेतावनी दी थी और उसके साथ मारपीट भी की थी। इस हमले के बाद, दलित युवक के परिवार ने लड़की के परिवार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

इसके जवाब में, 19 साल के युवक के परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर लड़की के परिवार की गाड़ियों पर हमला किया। इसके कुछ ही समय बाद जोड़ा लापता हो गया। बाद में उनके शव फंदे पर लटके हुए मिले, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस ने बताया कि जांचकर्ता इन मौतों को आत्महत्या का संदिग्ध मामला मानकर जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। हमें शक है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। वे प्यार में थे, और हम जांच कर रहे हैं कि किस वजह से ऐसा हुआ।

जल जीवन मिशन के लिए केंद्र ने आवंटित किए आठ लाख करोड़

इडुक्की/ जीएनएस। जल संसाधन संबंधी संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजीव प्रताप रूडी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के लिए आठ लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस मिशन का मकसद देश के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। रूडी ने कहा कि जल संसाधन संबंधी समिति जल संसाधनों से जुड़े कई पहलुओं की समीक्षा कर रही है।

गोरखनाथ मंदिर और सीएम को बम से उड़ाने की धमकी, DIG के फोन पर आई कॉल, पुलिस महकमे में हड़कंप

कुशीनगर/ जीएनएस। सोमवार की रात 12 बजे डीआईजी गोरखपुर को फोन कर गोरखनाथ मंदिर व मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी देने के बाद पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। मोबाइल के लोकेशन के आधार पर गोरखपुर और पटहेरवा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मंगलवार भोर में धमकी देने वाले पटहेरवा थाना गांव बलुआ तकिया के रहने वाले 15 वर्षीय किशोर को पकड़ा। पूछताछ में वह मानसिक रूप से विक्षिप्त निकला, तो एक घंटे बाद उसे छोड़ राहत की सांस ली।

पटहेरवा थाना क्षेत्र के बलुआ तकिया निवासी अंशु खरवार ने सोमवार रात करीब 12 बजे डीआईजी (पुलिस उप महानिरीक्षक) गोरखपुर को मोबाइल फोन कर गोरखनाथ मंदिर व मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

इसके बाद पूर महकमे में खलबली मच गई। तत्काल इंस्पेक्टर नीरज राय के नेतृत्व में गोरखपुर पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर धमकी देने वाले का पता लगाने में जुट गई।

लोकेशन मिलते ही भोर में तीन बजे पटहेरवा थाना पहुंच गई। गोरखपुर और पटहेरवा थाना पुलिस की संयुक्त टीम उसके घर पर छापेमारी कर उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ की गई पता चला कि किशोर मानसिक रूप से विक्षिप्त है और नशे का भी आदी है।

वर्ष 2025 में भी वह तीन बार श्रीराम मंदिर को उड़ाने की धमकी पुलिस और उच्चाधिकारियों को दे चुका है। उस समय भी उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उसे छोड़ दिया था।

एमपीईबी के वरिष्ठ अधिकारी से कथित उगाही: अनवर खान व साथियों पर थाना बाणगंगा में दूसरा मामला दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करंट एक्सपोज़ समाचार पत्र के संपादक अनवर खान तथा उसके सहयोगियों साधना सिंह, सिद्दीक खान और फारुख के विरुद्ध थाना बाणगंगा में कथित उगाही और धमकी देने के आरोपों में दूसरा प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार यह मामला एमपीईबी (मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी) के एक वरिष्ठ अधिकारी की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता शिवलाल करवाडिया, जो एमपीईबी में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ हैं, ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि अनवर खान एवं उसके सहयोगियों ने उनके विरुद्ध लगातार असत्य, भ्रामक और अपमानजनक समाचार प्रकाशित कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने अवैध रूप से रुपयों की मांग की और मांग पूरी नहीं करने पर झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, इन धमकियों के कारण उन्होंने जून 2024 से फरवरी 2026 के बीच कई किश्तों में लगभग डेढ़ लाख रुपये आरोपियों को दिए। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपियों ने साधना सिंह की पुत्री की फीस के नाम पर भी 70 हजार रुपये लिए। इसके बावजूद कथित रूप से लगातार धमकियां मिलती रहीं, जिससे शिकायतकर्ता भय के कारण उनकी मांगें पूरी करने को मजबूर रहे।

बाद में समाचार पत्रों तथा एमपीईबी कर्मचारियों से जानकारी मिलने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि अनवर खान, साधना सिंह, वहीदा खान और सिद्दीक खान के विरुद्ध पहले से ही झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली करने के आरोप में थाना बाणगंगा में एफआईआर दर्ज है। इसके बाद उन्होंने भी थाना पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, अनवर खान और सिद्दीक खान पहले से ही एक अन्य उगाही के मामले में न्यायालय के आदेश पर सात दिन की पुलिस रिमांड पर हैं। वहीं फारुख को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह जानकारी जुटाई जा रही है कि उन्होंने किन-किन लोगों को धमकाकर कथित रूप से उगाही की है।

पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि आरोपियों द्वारा एमपीईबी के कई अधिकारियों और कर्मचारियों को डराकर अवैध वसूली किए जाने की आशंका है। संभावना जताई जा रही है कि अन्य पीड़ित भी आगे आकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

पुलिस के अनुसार अनवर खान, सिद्दीक खान और फारुख आपस में सगे भाई हैं तथा तीनों के विरुद्ध चंदननगर सहित विभिन्न थानों में पहले से भी कई प्रकरण दर्ज हैं।

नोट- यह समाचार पुलिस में दर्ज शिकायत और उपलब्ध आधिकारिक जानकारी पर आधारित है। आरोपों की न्यायिक पुष्टि होना शेष है तथा आरोपियों का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर इंदौर नगरीय सीमा में सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच में उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और अन्य गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 25 अगस्त 2026 तक लागू रहेगा। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध किसी प्रकार का उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और न ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। इन्दौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण/प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो।

चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही होगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम/जनसामान्य के स्वास्थ्य हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन) की सीमा में चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार समस्त नाईट्राजेपाम टेबलेट्स (समस्त नाईट्रावेट टेबलेट्स), समस्त क्लोनेजेपाम टेबलेट्स, समस्त डायजेपाम टेबलेट्स, समस्त ऑक्साजीपाम टेबलेट्स,समस्त इटिजोलाम टेबलेटस,समस्त एल्प्राजोलम टेबलेटस, समस्त कोडीन फास्फेट सिरप/टेबलेटस, क्लोजापाम टेबलेटस (फीजीयम टेबलेट आदि) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा। गर्भपात/गर्भसमापन संबंधित औषधियां जैसे Ru486, Mifepristone °ß´ Misoprostal व उसके ग्रुप श्रेणी की दवाओं (गोली, इंजेक्शन, जेल) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा एवं लिखित प्रिस्क्रिप्शन की छायाप्रति संबंधित मेडिकल स्टोर द्वारा रखी जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पदेन उप संचालक,खाद्य एवं औषधि प्रशासन,इन्दौर अपने अधीनस्थ औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारियों के माध्यम से नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण कर आदेश का प्रभावी परिपालन सुनिश्चित करेंगे। अनियमितता पाई जाने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावी होकर 25 अगस्त 2026 तक लागू रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

बगैर अनुमति के आयोजन करने पर प्रतिबंध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर मेट्रोपॉलिटन की सीमा में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु इन्दौर नगरीय सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

इंदौर के विधानसभा-5 और महू में बनेंगे नए एमएसएमई औद्योगिक क्षेत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के विधानसभा क्षेत्र-5 और महू की तस्वीर अब बदलने जा रही है। अब तक औद्योगिक विकास से दूर इन दोनों क्षेत्रों को प्रदेश सरकार की हर विधानसभा में कम से कम एक एमएसएमई औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की योजना के तहत चुना गया है। जमीन की तलाश कर जल्द ही यहां नए औद्योगिक क्षेत्र तैयार किए जाएंगे। नए उद्योगों से न सिर्फ शहर की आर्थिकी मजबूत होगी, बल्कि उक्त क्षेत्रों में रोजगार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर भी शहरवासियों को मिलेंगे।

नई नीति के तहत प्रदेश में 81 विधानसभाओं की हुई शिनाख्त- प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर जिले में कम से कम एक सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) केंद्र स्थापित हो। यह नीति तीन महीने पहले बनी थी। उसके बाद उच्च स्तरीय बैठक भोपाल में हो चुकी है। अब जिला स्तर पर संबंधित विभाग योजना को गति देने की तैयारी कर रहे हैं। एमएसएमई के लिए इस साल पिछले साल की तुलना में करीब 22 प्रतिशत ज्यादा बजट प्राप्त हुआ है। एमएसएमई के अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में करीब 81 विधानसभाओं की शिनाख्त हुई है, जहां वर्तमान में कोई उद्योग नहीं हैं, इनमें जिले की इंदौर-पांच और महू विधानसभाएं भी शामिल हैं। नई नीति के तहत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा प्रशासन को चिट्ठी लिखकर उक्त दोनों विधानसभाओं में सरकारी जमीन की तलाश और आवंटन का आग्रह किया है। जिले की नौ विधानसभाओं में केवल उक्त दो ही ऐसी हैं, जहां कोई औद्योगिक क्षेत्र नहीं है।

इंदौर की अन्य सात विधानसभाओं में नहीं है कोई दिक्कत- इंदौर-एक में पोलोग्राउंड का कुछ हिस्सा, किला मैदान, संगम नगर, रामबलीनगर आदि औद्योगिक क्षेत्र पहले ही स्थापित हैं। इसी तरह इंदौर-दो में सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र के कुछ सेक्टर शामिल हैं।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान की गूंज अब शहर के हर कोने तक, साइबर जागरूकता रथ को पुलिस कमिश्नर ने दिखाई हरी झंडी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत मंगलवार को इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जनजागरूकता का व्यापक अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नागरिकों से सतर्क रहकर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान साइबर सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कई नवाचारपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया।

सड़क सुरक्षा के तहत आयोजित हेलमेट वितरण कार्यक्रम के 34वें संस्करण में नागरिकों को हेलमेट वितरित किए गए। साथ ही हेलमेट पर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के स्टिकर लगाए गए और लोगों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाकर स्वयं जागरूक रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अक्सा इंटरनेशनल की एयर होस्टेस ने अनूठे अंदाज में साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं, बच्चों ने साइबर सुरक्षा पर आधारित गीत प्रस्तुत कर डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने और सुरक्षित क्लिक करने का संदेश दिया। सिक्का स्कूल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, ट्रैफिक प्रहरी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हुए। पुलिस कमिश्नर ने उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए अनजान लिंक पर क्लिक न करने, किसी के साथ ओटीपी साझा न करने, संदिग्ध कॉल से सावधान रहने और साइबर अपराध होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

साइबर जागरूकता को शहर के हर क्षेत्र तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष साइबर जागरूकता रथ को रवाना किया गया। यह रथ शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर भ्रमण करेगा। रथ पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से साइबर सुरक्षा से संबंधित वीडियो, लघु फिल्में और जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षित डिजिटल व्यवहार का संदेश प्रभावी रूप से पहुंच सके।

कार्यक्रम के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों, ट्रैफिक प्रहरियों और नागरिकों को सेफ क्लिक 2.0 अभियान की विशेष कैप प्रदान कर अभियान से जोड़ा गया तथा उन्हें साइबर सुरक्षा के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

जनसुनवाई में 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला की व्यथा सुन भावुक हुए पुलिस कमिश्नर, तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान एक 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला की पीड़ा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिस पर पुलिस कमिश्नर ने संवेदनशीलता के साथ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 83 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें बेटे-बहू द्वारा प्रताड़ना, पति-पत्नी के विवाद, पारिवारिक मतभेद, पैसों के लेन-देन से जुड़े मामले, वित्तीय धोखाधड़ी, प्लॉट, मकान एवं जमीन संबंधी धोखाधड़ी, सुनवाई नहीं होने की शिकायतें, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण शामिल रहे।

इन्हीं मामलों के बीच एक 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला अकेले जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर को बताया कि उनके बेटे और पोते उनकी देखभाल नहीं करते तथा उन्हें प्रताड़ित करते हैं। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ उनकी पूरी बात सुनी और तत्काल एसीपी जूनी इंदौर को मामले में आवश्यक कार्रवाई एवं काउंसलिंग करने के निर्देश दिए। एसीपी ने बुजुर्ग महिला से विस्तार से चर्चा कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया तथा उन्हें पुलिस वाहन से सुरक्षित उनके घर भी भिजवाया।

पुलिस कमिश्नर ने जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही तथा दूरभाष के माध्यम से आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी प्रकरणों में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय और राहत मिल सके।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं विस्तार से सुनकर कई मामलों में तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कराई।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इंदौर पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक शिकायत का संवेदनशील और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस द्वारा संचालित मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से पारिवारिक एवं आपसी विवादों का काउंसलिंग के जरिए शांतिपूर्ण समाधान कराने का अभियान भी निरंतर जारी है।

किरायेदारों, कर्मचारियों, मजदूरों, यात्रियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में पुलिस को देना अनिवार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु किरायेदारों, घरेलू कामगारों, कर्मचारियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों, पेइंग गेस्ट आदि की जानकारी संबंधित थाने पर दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं।

जारी आदेश के अनुसार किरायेदारों की सूचना संबंधित मकान/दुकान मालिक द्वारा संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में दी जाना होगी। इसके पूर्व मकान/दुकान किराये से नहीं दी जाये। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना भी संबंधित मालिक द्वारा थाने पर विहित प्रारूप में देना होगी। उनसे भी आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लेना होगा। छात्रावासों में रह रहे छात्र एवं छात्राओं की सूचना विहित प्रारूप में संबंधित थाने को दी जाना होगी। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाना होगा। होटल, लॉज, धर्मशाला में रुकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेना होगा। ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची विहित प्रारूप में प्रतिदिन थाने पर देना होगी।

इसी तरह आदेश में कहा गया है कि भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों/कारीगरों की सूचना ठेकेदार द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर देने के उपरांत ही उन्हें काम पर रखा जाए। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये, इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा अतिथि पोर्टल प्रारम्भ किया गया है, इस पोर्टल पर भी रूकने वालों की जानकारी अवश्य दर्ज की जाये। पेइंग गेस्ट की सूचना संबंधित मकान मालिक द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये। इसके उपरांत ही पेइंग गेस्ट रखा जायें। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये । ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो 15 दिवस से अधिक समय तक निवास कर रहे हो, तत्काल थाने पर विहित प्रारूप में दी जाये। साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। ऑनलाईन शॉपिंग/होम डिलेवरी/ कोरियर का कार्य करने वाली कंपनियों के व्यक्ति जो घर-घर जाकर पार्सल वितरित करते हैं, की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही उनसे आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी के लिए नियुक्त किए गए गार्ड अथवा अपने स्तर पर नियुक्त किए गए गार्ड की जानकारी विहित प्रारूप में थाने पर दी जाये, साथ ही आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये।

मोहर्रम ड्यूटी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 27 पुलिसकर्मी पुलिस कमिश्नर ने किए सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कमिश्नरेट इंदौर में उत्कृष्ट पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने मोहर्रम पर्व के दौरान बेहतर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले 27 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का सम्मान अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने सभी सम्मानित अधिकारियों और कर्मचारियों को भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में मोहर्रम पर्व के दौरान ताजियों के मार्ग, अखाड़ों एवं जुलूसों के आवागमन, मेला प्रबंधन, ताजिया विसर्जन तथा भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था संभालने वाले अधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री दीशेष अग्रवाल, सहायक पुलिस आयुक्त सराफा श्री विजय तिवारी, सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा श्री शिवेंदु जोशी, सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इंदौर श्री विजय चौधरी, थाना प्रभारी सराफा श्री राजकुमार लिटोरिया, थाना प्रभारी चंदननगर श्री तिलक करोले, थाना प्रभारी छत्रीपुरा श्री संजीव श्रीवास्तव तथा थाना प्रभारी जूनी इंदौर श्री अनिल गुप्ता शामिल रहे।

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान समन्वय एवं सुरक्षा प्रबंधन में उल्लेखनीय योगदान देने पर सहायक पुलिस आयुक्त आसूचना एवं सुरक्षा श्रीमती प्रीति जैन तिवारी को भी सम्मानित किया गया।

इसके अलावा गुलाब बाग पेट्रोल पंप हत्याकांड का शीघ्र खुलासा कर पांच आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उपनिरीक्षक शैलेंद्र सिंह ठाकुर, उपनिरीक्षक अरुण मलिक, उपनिरीक्षक दीपक पालिया तथा साइबर सेल जोन-2 के आरक्षक प्रवीण सिंह चौहान और विनीत मिश्रा को भी प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 270 ग्राम ब्राउन शुगर, आठ किलो गांजा, पिस्टल के 22 जीवित कारतूस तथा 19 लाख रुपये नकद जब्त करने वाली टीम के प्रधान आरक्षक तन्मय तोमर, प्रधान आरक्षक अभिषेक पंवार और आरक्षक शिवपाल सोलंकी को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त ने शहर के प्रमुख चौराहों पर प्रभावी यातायात प्रबंधन, नो-पार्किंग क्षेत्रों में कार्रवाई तथा मोहर्रम पर्व के दौरान सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने वाले यातायात पुलिसकर्मियों के कार्यों की भी सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने सम्मानित पुलिसकर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और उत्कृष्ट प्रदर्शन से इंदौर पुलिस की कार्यक्षमता और जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

सड़क सुरक्षा में भी इंदौर को नंबर वन बनाने का लिया गया संकल्प

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री सप्रे की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जनहानि रोकने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने सड़क सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन समीक्षा की। इसमें ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्य, चालानी कार्रवाई, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग की स्थिति, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और सड़क सुरक्षा शिक्षा जैसे विषय शामिल रहे। उन्होंने कहा कि जिले में ब्लैक स्पॉट्स पर लगातार सुधार कार्य किए जा रहे हैं और कई स्थानों पर दुर्घटनाओं एवं जनहानि में उल्लेखनीय कमी आई है। कुछ स्थानों पर दुर्घटनाएं शून्य तक लाने में सफलता मिली है। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने विशेष रूप से हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चालानी कार्रवाई बढ़ने के बावजूद आमजन में हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट लगाने की आदत अभी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। इस पर सभी विभागों, संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जीवन की सुरक्षा सर्वोपरि है। हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपाय न केवल नियमों का पालन हैं, बल्कि जीवन रक्षा के सबसे सरल और प्रभावी माध्यम भी हैं। उन्होंने हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यातायात सुरक्षा के संबंध में जनजागरण के अभियान को जनआंदोलन बनाया जाए। बैठक में शासकीय विभागों के साथ निजी स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। सभी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है, अब समय आ गया है कि सड़क सुरक्षा में भी इंदौर देश में नंबर वन बने। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने शिक्षा संस्थानों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाएं और प्रत्येक नागरिक को रोड सेफ्टी ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

बैठक में सड़क इंजीनियरिंग को लेकर भी गंभीरता से चर्चा की गई। सभी सड़क निर्माण एजेंसियों को मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं तथा ब्लैक स्पॉट्स के सुधार कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। श्री सप्रे ने निर्देश दिए कि सड़कों के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जाए। कल से ही सड़कों के गड्ढ़े का सर्वे शुरू कर दिया जाए और सड़कों के गड्ढ़ों को भरने का कार्य भी कल से ही प्रारंभ कर देंवे। उन्होंने कहा कि भविष्य में सड़क निर्माण के संबंध में ध्यान दिया जाए कि ऐसी गुणवत्ता रहे जिससे कि गड्ढ़े नहीं हो और डिजाइन ऐसी हो कि ब्लेक स्पॉट भी नहीं बनें।

टोकन सिस्टम से कैश काउंटर आवंटन और 1.77 करोड़ के निर्माण पर उठे सवाल, किसान नेता जोकचंद ने की निष्पक्ष जांच की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी पिपलिया में हाल ही में 23 वर्ष पुराने किसान शेड पर बनाए गए 32 नए कैश काउंटरों के निर्माण और उनके आवंटन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंगलवार को किसान नेता श्यामलाल जोकचंद कृषि उपज मंडी पहुंचे और पूरे मामले का मौके पर निरीक्षण किया।

उनके साथ मंडी के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद जोकचंद ने मीडिया से चर्चा के दौरान प्रदेश सरकार एवं मंडी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। जोकचंद ने कहा कि मंडी में कैश काउंटरों का आवंटन पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के बजाय टोकन सिस्टम से किया गया, जो कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि सामान्यतः मंडी की दुकानों और व्यावसायिक परिसरों का आवंटन खुली नीलामी के माध्यम से किया जाता है, जिससे मंडी को अधिकतम राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में टोकन प्रणाली अपनाने का निर्णय किस आधार पर लिया गया और इससे मंडी को आर्थिक लाभ हुआ या नुकसान, इसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि 23 वर्ष पुराने जर्जर भवन पर केवल रंग-रोगन कर उसे नया दर्शाते हुए करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपए का निर्माण कार्य किया गया है। उनका कहना था कि जिस भवन को कुछ वर्ष पहले जर्जर मानकर ध्वस्त करने की योजना बनाई गई थी, उसी पर करोड़ों रुपए खर्च कर कैश काउंटरों का निर्माण कराना समझ से परे है। यदि भवन पहले असुरक्षित माना गया था तो निर्माण कार्य शुरू करने से पहले किसी अधिकृत इंजीनियर अथवा तकनीकी संस्था से उसकी स्ट्रक्चरल सेफ्टी की जांच कराई गई थी या नहीं, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। किसान नेता ने यह भी सवाल उठाया कि यदि भवन का स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट कराया गया था तो उसकी रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जनता और किसानों को यह जानने का अधिकार है कि करोड़ों रुपए खर्च करने से पहले भवन की मजबूती का वैज्ञानिक परीक्षण हुआ था या नहीं।

जोकचंद ने यह भी कहा कि कृषि उपज मंडी को भविष्य में गुड़भेड़ी बड़ी स्थित नए परिसर में स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है और वहां निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। ऐसे में पुराने परिसर में स्थायी कैश काउंटर बनाने पर करोड़ों रुपए खर्च करने की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने सवाल किया कि यदि कुछ वर्षों बाद मंडी नए परिसर में शिफ्ट हो जाएगी तो वर्तमान में बनाए गए कैश काउंटरों का भविष्य क्या होगा और इस निवेश का औचित्य क्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुराने भवनों पर केवल रंग-रोगन कर उन्हें नया दिखाया जा रहा है और इस पूरी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका है। उन्होंने मांग की कि निर्माण कार्य, आवंटन प्रक्रिया, वित्तीय स्वीकृतियों तथा भवन की तकनीकी जांच सहित पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इधर मंडी के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब नई मंडी का निर्माण अंतिम चरण में है, तब पुराने परिसर में इतनी बड़ी राशि खर्च करना वित्तीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस संबंध में स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि रविवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और सांसद सुधीर गुप्ता ने कृषि उपज मंडी पिपलिया में करीब 1.77 करोड़ रुपए की लागत से बने 32 कैश काउंटरों का लोकार्पण किया था। इसके बाद से ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता, भवन की सुरक्षा, टोकन सिस्टम से आवंटन और सरकारी धन के उपयोग को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा बनी हुई है।

तबादले के 15 दिन बाद भी नहीं छोड़ा पदभार, कोज्या पंचायत सचिव पर उठे सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत नीमच द्वारा जारी ग्राम पंचायत सचिवों की स्थानांतरण सूची के बावजूद जनपद पंचायत जावद की ग्राम पंचायत बाणदा के सचिव मखन सिंह चुंडावत ने अब तक अपना नवीन पदस्थापन ग्रहण नहीं किया है। आदेश के अनुसार उनका स्थानांतरण प्रशासनिक आधार पर बोरदिया ग्राम पंचायत किया गया था, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वे अभी भी पूर्व पंचायत के कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

जिला पंचायत नीमच द्वारा 15 जून 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि स्थानांतरित सचिवों को एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से कार्यमुक्त होकर नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि बिना उचित कारण स्थानांतरण आदेश का पालन नहीं करने वाले सचिवों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आदेश जारी हुए करीब दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मखन सिंह चुंडावत ने नए पद पर कार्यभार नहीं संभाला है। इससे शासन के आदेशों की पालना और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि सामान्य कर्मचारियों को समय पर आदेश का पालन करना पड़ता है, तो पंचायत सचिवों के मामले में अलग व्यवस्था क्यों दिखाई दे रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनपद पंचायत जावद से मांग की है कि स्थानांतरण आदेश का तत्काल पालन सुनिश्चित कराया जाए तथा यदि आदेश की अवहेलना हुई है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि शासन के निर्देशों की विश्वसनीयता बनी रहे।

पट्टा दिलाने के नाम पर 20 हजार की ठगी का आरोप, कलेक्टर से शिकायत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम नेनोरा निवासी रितेश आर्य ने जिला कलेक्टर को शिकायत देकर मजदूर कल्याण समिति के तीन सदस्यों पर जमीन का पट्टा दिलाने के नाम पर करीब 20 हजार रुपए लेने व पट्टा नहीं दिलाने तथा पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत में रितेश आर्य ने बताया कि वह वर्तमान में कृषि उपज मंडी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। उनके अनुसार, साथ में कार्य करने वाले लक्ष्मीनारायण खीची ने स्वयं को मजदूर कल्याण समिति का सदस्य बताते हुए जमीन का पट्टा दिलाने का भरोसा दिया और ऑनलाइन आवेदन सहित अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर किश्तों में राशि जमा करवाई। शिकायतकर्ता का कहना है कि 30 जुलाई 2024 को उनके पिता के मोबाइल से फोन-पे के माध्यम से 5 हजार रुपए लक्ष्मीनारायण खीची के खाते में भेजे गए। इसके बाद अलग-अलग समय पर कुल लगभग 20 हजार रुपए लिए गए। रितेश आर्य का आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो जमीन का पट्टा दिलाया गया और न ही राशि लौटाई गई। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो समिति के सदस्य करण सिंह परिहार, गोवर्धनलाल हाड़ा और लक्ष्मीनारायण खीची द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई कराने तथा उनकी राशि वापस दिलाने की मांग की है। मामले में सोशल मीडीया पर जारी विडियों में करण सिंह परिहार का कहना है कि मेरे द्वारा किसी से कोई पैसा रूपए नहीं लिया गया है। मुझे बदनाम करने गलत आरोप लगाया जा रहा है।

महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में राजपूत क्षत्राणी विंग द्वारा भव्य क्विज प्रतियोगिता आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीरता, स्वाभिमान, हिंदुआ सूरज एवं राष्ट्रभक्ति के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 486वीं पावन जन्म जयंती के उपलक्ष्य में, जिला राजपूत क्षत्राणी विंग मंदसौर (मध्य प्रदेश) द्वारा एक भव्य प्रश्न मंच (क्विज प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। 'महाराणा प्रताप की जीवन यात्रा' विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ पद्मिनी बालिका हॉस्टल में संपन्न हुआ।

इस गौरवपूर्ण आयोजन में सभी क्षत्राणियों, बाईसा और बना ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित कई प्रस्तुतियां दीं। सर्वप्रथम प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला राजपूत क्षत्राणी विंग (मंदसौर) की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा कुँवर राणावत (काकीसा होकम) ने की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला राजपूत क्षत्राणी विंग (मंदसौर) की संरक्षक श्रीमती दुर्गेश कुंवर भाटी व श्रीमती उमा कुंवर झाला तथा दहेज विरोधी संस्थान की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सविता कुंवर राठौड़ उपस्थित थीं। सर्वप्रथम कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप की तस्वीर पर माल्यार्पण करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इसके पश्चात् जिला राजपूत महिला विंग की पदाधिकारियों एवं समाज की अन्य क्षत्राणियों ने पुष्पमाला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला राजपूत क्षत्राणी विंग के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस अवसर पर राजपूत क्षत्राणी विंग मंदसौर की ज्योति कुंवर राठौड़, सुधा राठौड़, प्रमिला देवड़ा, दीपिका सोलंकी, जयश्री शक्तावत, उमा चंद्रावत, रूपा राणावत, मेघना भाटी, निरुपमा कुशवाह, अंजुला चौहान, सुमन राणावत, शक्ति बाला सोलंकी, संगीता पंवार, वर्षा शक्तावत, निधि शक्तावत, मनसा राणावत, वैष्णवी राणावत, रेणु सिसोदिया, ज्योति भाटी, विष्णु कुंवर, मिथलेश कुंवर, अलका राणावत, मीता कुंवर, निवेदिता, वर्षा झाला, ममता शक्तावत सहित कई क्षत्राणियों और बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने महाराणा प्रताप जी का आकर्षक स्केच बनाया, वहीं साक्षी शक्तावत ने तलवारबाजी का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार और विजेताओं को विशेष पुरस्कार वितरित किए गए। यह जानकारी जिला राजपूत क्षत्राणी महिला विंग की मीडिया प्रभारी श्रीमती प्रमिला देवड़ा ने दी।

चाकू से दहशत फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला पैदल जुलूस

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के बालागंज क्षेत्र में विगत दिनों चाकू लहराकर लोगों में डर का माहौल बनाने वाले दो युवकों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने के बाद पुलिस ने उनका शहर के प्रमुख बाजारों में पैदल जुलूस निकाला। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान भावेश अखेरिया और भावेश राठौर के रूप में हुई है। दोनों पर सार्वजनिक स्थान पर हथियार का प्रदर्शन कर लोगों में दहशत फैलाने का आरोप है। मामले की जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। आरोपियों को बाजार क्षेत्र से पैदल ले जाकर पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि कानून व्यवस्था भंग करने और आमजन में भय पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए असामाजिक गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन करने या लोगों को डराने-धमकाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

चन्द्रपुरा बसंत विहार में सीवरेज कार्य से परेशानी, रहवासियों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चन्द्रपुरा बसंत विहार में सीवरेज लाइन का अधूरा निर्माण कार्य और बारिश के कारण सड़कों पर कीचड़ व मलबा फैल गया है। हालात ऐसे हैं कि सीवरेज कार्य में लगा एक डंपर भी कीचड़ में फंस गया। गौरव माली,यशवंत गुजराती और अर्जुन प्रजापति सहित अन्य क्षेत्रवासियों का कहना है कि आए दिन वाहन चालक फिसलकर घायल हो रहे हैं और स्कूली बच्चों व बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द सड़कें दुरुस्त कराने की मांग की है। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे चक्काजाम आंदोलन करेंगे। पीड़ित रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सीवरेज ठेकेदार ने सड़कों को दुरुस्त कर इसका परमानेंट इलाज नहीं किया, तो सभी कॉलोनीवासी चक्काजाम करने को मजबूर होंगे जिसकी समस्त जवाबदेही शासन और प्रशासन की होगी।

अतिक्रमण से सिकुड़ा भरभड़िया का संपर्क मार्ग, ग्रामीणों ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम भरभड़िया का प्रमुख संपर्क मार्ग अतिक्रमण की चपेट में आने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर सड़क एवं नाले से अतिक्रमण हटाने तथा मार्ग को पुनः सुचारु कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2004-05 में शासन द्वारा नायरा पेट्रोल पंप से ग्राम भरभड़िया तक करीब एक किलोमीटर लंबी संपर्क सड़क का निर्माण कराया गया था। यह मार्ग गांव के किसानों, स्कूली छात्र-छात्राओं तथा श्मशान, ईदगाह और अन्य सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोगों ने सड़क किनारे बने नाले और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर सड़क की चौड़ाई कम कर दी है। इससे दो वाहनों का एक साथ निकलना मुश्किल हो गया है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। नालों की निकासी बाधित होने से सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉली और कृषि उपकरण लेकर खेतों तक पहुंचने में परेशानी होती है। इससे खेती-किसानी का कार्य भी प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी कई बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कलेक्टर से मांग की कि सड़क और नाले से अतिक्रमण हटाकर आवश्यक निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

गले में आवेदनों की माला पहन जनसुनवाई पहुंचे भेरूलाल गुर्जर, अतिक्रमण हटाने की लगाई गुहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सिंगोली तहसील के ग्राम लुहारिया जाट निवासी भेरूलाल गुर्जर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अनोखे अंदाज में पहुंचे। उन्होंने अपने गले में वर्षों से दिए गए विभिन्न आवेदनों की माला पहनकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया और कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की अधूरी कार्रवाई दोबारा शुरू कराने की मांग की।

भेरूलाल गुर्जर ने आवेदन में बताया कि अतिरिक्त तहसीलदार, टप्पा रतनगढ़ ने 7 मई 2026 को संबंधित शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए थे। इसके बाद 26 मई 2026 को तहसीलदार, राजस्व अमले और पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू भी हुई थी।

शिकायत के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कथित अतिक्रमणकारियों ने विरोध करते हुए विवाद खड़ा कर दिया और पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके कारण प्रशासन को कार्रवाई बीच में ही रोकनी पड़ी। भेरूलाल गुर्जर का कहना है कि इस घटना में उन्हें और उनकी पत्नी कमला गुर्जर को भी चोटें आईं, जबकि शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका।

भेरूलाल गुर्जर ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक आदेश जारी होने के बावजूद आज तक संबंधित सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त नहीं हो सकी है। उनका कहना है कि इससे न्यायालयीन और प्रशासनिक आदेशों का भी पालन नहीं हो पा रहा है। जनसुनवाई में उन्होंने कलेक्टर से मांग की कि संबंधित अधिकारियों को पुनः निर्देश जारी कर पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी कराई जाए, ताकि शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराया जा सके और प्रशासनिक आदेशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित हो।

सगोरिया शांतिधाम से अस्थियां लापता, ग्रामीणों में रोष, जांच की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ क्षेत्र में श्मशान घाटों से अस्थियां गायब होने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ग्राम सगोरिया के शांतिधाम में भी एक ऐसा मामला सामने आया है, जिससे ग्रामीणों में चिंता और नाराजगी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी स्वर्गीय श्रीमती कमलाबाई डारिया का अंतिम संस्कार 29 जून को शांतिधाम में किया गया था। परिजन अगले दिन अस्थि-संग्रह के लिए पहुंचे। लेकिन चिता स्थल पर अस्थियां नहीं मिलीं। वहीं आसपास कुछ संदिग्ध सामग्री भी पड़ी मिली। जिसके बाद ग्रामीणों ने किसी तांत्रिक गतिविधि की आशंका जताई। घटना की जानकारी फैलते ही क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया। सुचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची जांच में जुटी है। सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह चौहान व ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं धार्मिक आस्था से जुड़ी हैं और इन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि यदि श्मशान घाटों की पर्याप्त सुरक्षा होती तो ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों का जल्द पता लगाने, श्मशान घाटों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

1.080 किग्रा अवैध मादक पदार्थ अफीम व 2.5 किलोग्राम डोडा चूरा जप्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी गांधीसागर निरीक्षक तरुणा भारद्वाज एवं टीम द्वारा 29 जुन को मुखबीर सुचना पर हिंगलाज रिसोर्ट के पास गांधीसागर भानपुरा रोड पर आरोपी नरेन्द्र पुरी उम्र 40 वर्ष पिता जगदीश पुरी निवासी ग्राम कित्तूखेड़ी थाना नारायणगढ़ जिला मंदसौर के कब्जे से पेट पर लाल रंग के कपड़े से बांधे हुए पैकेट में 1.080 किलोग्राम अफ़ीम व पास रखे नीले रंग के झोले में रखे ढाई किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा कुल कीमती 155000 रुपये जप्त किया है। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध मादक पदार्थ के संबंध में विवेचना की जा रही है।

ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल से सौजन्य भेंट, सभी ग्राम पंचायतों के खातों में सीधे विकास राशि भेजने का किया आग्रह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य सुरेन्द्र पाण्डेय ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने मंदसौरङ्कजावराङ्कनीमच संसदीय क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों को सीधे विकास योजनाओं का लाभ दिलाने तथा विकास कार्यों के लिए राशि सीधे पंचायतों के खातों में उपलब्ध कराने का विशेष आग्रह किया। पाण्डेय ने कहा कि यदि विकास राशि सीधे ग्राम पंचायतों के खातों में पहुंचेगी तो गांवों में सड़क, नाली, पेयजल, सामुदायिक भवन सहित अन्य आवश्यक निर्माण कार्य तेजी से होंगे तथा ग्रामीण विकास को नई गति

मिलेगी।क्षेत्र के विकास के लिए लगातार सक्रिय हैं सुरेन्द्र पाण्डेय मालवा के गांधी स्वर्गीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर संसदीय क्षेत्र के आठ बार सांसद एवं पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष) के सुपुत्र तथा जावरा विधायक राजेन्द्र पाण्डेय के अनुज सुरेन्द्र पाण्डेय लंबे समय से मंदसौर संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वे आधुनिक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, किसानों को उन्नत कृषि तकनीक से जोड़ने, युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, नए उद्योग-धंधों की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास जैसे विषयों को लेकर लगातार राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के नेताओं और जनप्रतिनिधियों के समक्ष प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते रहे हैं। गांव मजबूत होंगे, तभी क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा सुरेन्द्र पाण्डेय का मानना है कि ग्राम पंचायतों को पर्याप्त संसाधन और सीधे विकास निधि उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेंगे, विकास कार्यों में गति आएगी और मंदसौर-जावरा-नीमच संसदीय क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएँ

संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, नीमच में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश ने जिलेभर से आए नागरिकों की समस्याएँ गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में शासकीय भूमि एवं मार्ग से अतिक्रमण हटाने, भूमि सीमांकन, खेत एवं मकान का कब्जा दिलाने, पट्टा प्रदान करने, राजस्व अभिलेखों में इंद्राज दुरुस्ती, शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, खेत तक आवागमन के लिए मार्ग उपलब्ध कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं शौचालय योजना का लाभ दिलाने, बीमा राशि एवं अंत्येष्टि सहायता स्वीकृत कराने,अवैध ऋण वसूली पर कार्रवाई, पारिवारिक विवाद, मारपीट, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार तथा अन्य राजस्व एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए गए। अपर कलेक्टर श्री कलेश ने सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच कर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है, इसलिए प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए। जनसुनवाई में एसडीएम नीमच पराग जैन,डिप्टी कलेक्टर संजीव साहू, चंद्रसिंह धार्वे,श्रुति भयडिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर गर्ग ने सुनी 83 आवेदकों की समस्याएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग एवं अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने 83 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न आवेदन एवं शिकायतों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान आने वाले विशेष मामलों में अधिकारी उसी दिन त्वरित निराकरण करें। नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को न्याय दिलाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

सम्पादकीय

जीवन के महान लक्ष्य एक दिन में नहीं निरंतर पवित्र श्रम और साधना से प्राप्त होते हैं

मनुष्य के जीवन में निराशा से बड़ा कोई शत्रु नहीं होता। निराशा केवल उत्साह को समाप्त नहीं करती, बल्कि व्यक्ति की सृजनशीलता, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता को भी कुंठित कर देती है। इसके विपरीत आशा, संयम, अनुशासन और सतत परिश्रम ऐसे अमोघ अस्त्र हैं, जिनके बल पर साधारण व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित कर सकता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कोई भी महान सफलता रातों-रात प्राप्त नहीं हुई। प्रत्येक उपलब्धि के पीछे वर्षों का तप, त्याग, अनुशासन, संघर्ष और अटूट धैर्य छिपा होता है।

स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध आह्वान है उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।।यह केवल प्रेरणा हेतु वाक्य नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाई के दर्शन है। सफलता का रास्ता कभी सरल नहीं होता। कठिनाइयाँ, असफलताएँ और विपरीत परिस्थितियाँ उसी प्रकार आवश्यक हैं जैसे सोने को कुंदन बनाने के लिए अग्नि आवश्यक होती है।

आज समाज जिन लोगों को महान, विलक्षण अथवा सेलिब्रिटी के रूप में देखता है, उनके जीवन का गहन अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि उनकी सफलता का मूल आधार प्रतिभा से अधिक अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मानसिक दृढ़ता रही है। प्रतिभा अवसर देती है, किंतु चरित्र और परिश्रम ही सफलता को स्थायी बनाते हैं। क्या केवल सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है? यदि सफलता मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की कीमत पर प्राप्त की जाए, तो क्या वह वास्तव में सफलता कहलाने योग्य है? महात्मा गांधी ने कहा था कि साधनों की पवित्रता के बिना साध्य भी पवित्र नहीं हो सकता। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आज का युग त्वरित सफलता, उपभोक्तावाद और प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में अनेक लोग धन, प्रसिद्धि और पद प्राप्त करने के लिए सत्य, ईमानदारी और नैतिकता से समझौता करने में संकोच नहीं करते। क्षणिक सफलता अवश्य मिल जाती है, परंतु इतिहास ऐसे लोगों को सम्मान नहीं देता।

मानव जीवन की आकांक्षाएँ स्वाभाविक हैं। प्रत्येक व्यक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा, आर्थिक समृद्धि और सामाजिक पहचान चाहता है। अब्राहम मैस्लो ने भी अपनी आवश्यकता-सोपान में आत्मसम्मान और आत्मसिद्धि को मानव की उच्चतम आवश्यकताओं में स्थान दिया है। किंतु इन आकांक्षाओं की पूर्ति तभी सार्थक है जब वे मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी हों। विज्ञान इसका उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। वही विज्ञान जिसने मानव जीवन को आधुनिक चिकित्सा, संचार, अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी प्रगति दी, वही विज्ञान यदि विनाशकारी जैविक, रासायनिक और परमाणु हथियारों के निर्माण में प्रयुक्त हो जाए तो संपूर्ण मानवता संकट में पड़ जाती है। इसलिए ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण उसका उद्देश्य होता है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं। किंतु उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सपनों का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण होना चाहिए।

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर ही मूल्य-आधारित जीवन रहा है। यहाँ सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, दया, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व को जीवन का सर्वोच्च आदर्श माना गया। संत कबीर ने बाहरी आडंबरों की अपेक्षा आंतरिक पवित्रता को महत्व दिया। संत रैदास ने समता का संदेश दिया। संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती, हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया, अब्दुर्रहीम ख़ान-ए-ख़ाना और अमीर खुसरो ने प्रेम और मानवता को धर्म से ऊपर रखा। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने स्वतंत्र चेतना और मानवीय गरिमा का संदेश दिया, जबकि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया। इन महापुरुषों ने सिद्ध किया कि सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनना है।

आज का समाज एक गंभीर नैतिक संकट से भी गुजर रहा है। राजनीति में सिद्धांतों की जगह अवसरवाद, प्रशासन में सेवा की जगह सत्ता का आकर्षण, शिक्षा में संस्कारों की जगह केवल रोजगार और व्यापार में सामाजिक उत्तरदायित्व की जगह अधिकतम लाभ का दृष्टिकोण बढ़ता दिखाई देता है। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार, हिंसा, अविश्वास और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएँ गहराती जा रही हैं।

नेल्सन मंडेला ने कहा था– शिक्षा दुनिया का सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे दुनिया बदली जा सकती है। किंतु शिक्षा तभी सार्थक है जब वह चरित्र का निर्माण करे। केवल डिग्री, पद और वेतन मनुष्य को महान नहीं बनाते; महान बनाता है उसका आचरण।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का कथन हैशिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी करता है।

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सेना या तकनीक में नहीं होती; उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसके नागरिकों का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व होता है। जब शासक वर्ग सिद्धांतनिष्ठ होता है और नागरिक अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी पालन करते हैं, तभी राष्ट्र दीर्घकाल तक समृद्ध और स्वतंत्र बना रहता है। वर्तमान समय में हमें सफलता की परिभाषा बदलने की आवश्यकता है। सफलता केवल ऊँचे पद, अपार धन या प्रसिद्धि का नाम नहीं है। सफलता वह है जिससे व्यक्ति स्वयं भी ऊँचा उठे और समाज भी ऊँचा उठे। जो उपलब्धि मानवता को लाभ पहुँचाए, वही सच्ची उपलब्धि है। जो चरित्र को मजबूत करे, वही वास्तविक प्रगति है। हमें यह स्मरण रखना होगा कि धन समाप्त हो सकता है, पद छिन सकता है, प्रसिद्धि धूमिल हो सकती है, किंतु चरित्र और मानवीय मूल्य अमर रहते हैं। इतिहास उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने संघर्ष को अपनाया, निराशा को हराया, सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और अपने जीवन को समाज तथा मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

सहजयोग ध्यान : साक्षी भाव और निर्विचारिता की सहज अवस्था

सहजयोग ध्यान कोई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि चेतना की वह सहज अवस्था है जिसमें मनुष्य अपने आत्मस्वरूप में प्रतिष्ठित हो जाता है। यह किसी मानसिक प्रयास, एकाग्रता या विचारों को दबाने का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् सहज रूप से प्राप्त होने वाली निर्विचार जागरूकता है। जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर सहस्रार का द्वार खोलती है, तब विचारों के बीच का अंतराल बढ़ने लगता है और साधक निर्विचार चेतना का अनुभव करता है।

साक्षी भाव के अनेक लाभ हैं। इससे मन की चंचलता कम होती है, तनाव और चिंता घटती है, और व्यक्ति अधिक शांत, संतुलित तथा स्पष्ट दृष्टि वाला बनता है। साक्षी बनकर हम परिस्थितियों को बेहतर समझते हैं, भावनाओं पर अनावश्यक प्रतिक्रिया से बचते हैं, और संबंधों में धैर्य, करुणा तथा मधुरता विकसित होती है। यह आत्म-जागरूकता, आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता को भी बढ़ाता है।

साक्षी भाव सहजयोग का आधार है। साक्षी बनकर हम अपने विचारों, भावनाओं, इच्छाओं और परिस्थितियों को केवल देखते हैं, उनसे तादात्म्य नहीं करते। इसी साक्षी भाव में मन शांत होता है, अहं और प्रतिअहं का प्रभाव क्षीण होने लगता है, और भीतर स्थित आत्मा का प्रकाश प्रकट होने लगता है। उस समय ध्यान करना नहीं पड़ता, बल्कि ध्यान स्वयं घटित होता है। निर्विचार अवस्था ही वास्तविक स्वतंत्रता है। यही वह क्षण है जहाँ वर्तमान जीवंत हो उठता है, परमात्मा की चैतन्य शक्ति का अनुभव होता है और जीवन प्रेम, करुणा, शांति तथा आनंद से परिपूर्ण हो जाता है। सहजयोग का संदेश अत्यंत सरल है–अपने भीतर स्थित दिव्यता को जागृत कीजिए, साक्षी भाव में स्थित रहिए, और निर्विचार चेतना में परमात्मा के प्रेम एवं चैतन्य का निरंतर अनुभव कीजिए। यही सहजयोग है, यही आत्मसाक्षात्कार का सच्चा आनंद है।

कल्पक्कम: जहाँ भविष्य का ईंधन आकार ले रहा है

जब कोई राष्ट्र नई तकनीक नहीं, बल्कि नई दिशा गढ़ता है, तभी इतिहास करवट लेता है। 26 जून 2026 को कल्पक्कम ने भारत को ऐसा ही गौरवशाली क्षण दिया। परमाणु ऊर्जा विभाग ने इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) में विश्व के पहले तांबा-क्लोरीन थर्मोकेमिकल चक्र आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र का शुभारंभ कर ऊर्जा विज्ञान की स्थापित धारणाओं को नई चुनौती दी। फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) की न्यूक्लियर प्रोसेस हीट से संचालित यह संयंत्र पारंपरिक इलेक्ट्रोलिसिस आधारित प्रणालियों से पूरी तरह भिन्न है। इसकी नींव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की स्वदेशी तकनीक और आईजीसीएआर की फास्ट रिएक्टर विशेषज्ञता पर टिकी है। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता नहीं, बल्कि इस सत्य का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी परिवर्तन का सहभागी नहीं, उसका पथप्रदर्शक बनने की क्षमता हासिल कर चुका है।

ऊर्जा का भविष्य केवल अधिक उत्पादन में नहीं, बेहतर तकनीक में छिपा है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में दुनिया अब तक महंगे और बिजली-आधारित इलेक्ट्रोलिसिस मॉडल पर निर्भर रही, लेकिन कल्पक्कम ने यह समीकरण बदल दिया। भारत ने तांबा-क्लोरीन थर्मोकेमिकल चक्र के माध्यम से लगभग 500–550 डिग्री सेल्सियस के अपेक्षाकृत कम तापमान पर अधिक ऊर्जा दक्ष और कम लागत वाली तकनीक विकसित की है। यह तापमान अन्य थर्मोकेमिकल चक्रों (जैसे सल्फर-आयोडीन) की तुलना में काफी कम है, जिससे यह न्यूक्लियर रिएक्टर्स के साथ बेहतर अनुकूल है। इस प्रक्रिया में एफबीटीआर से प्राप्त परमाणु ऊष्मा पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करती है, वह भी बिना किसी कार्बन उत्सर्जन के। डॉ. अजित कुमार मोहंती के नेतृत्व में स्थापित यह पायलट संयंत्र परमाणु ऊर्जा की भूमिका को नई परिभाषा देता है। अब परमाणु रिएक्टर केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भविष्य के सबसे स्वच्छ ईंधन के स्रोत भी बनेंगे। यही दूरदृष्टि भारत को वैश्विक ऊर्जा अनुसंधान की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करती है।

कल्पक्कम की सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी तकनीक नहीं, उसकी स्वदेशी पहचान है। तांबा-क्लोरीन प्रक्रिया का विकास बार्क(बीएआरसी) ने किया और उसे व्यवहारिक रूप आईजीसीएआर ने दिया। भारत का एकमात्र सक्रिय फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) अब केवल बिजली ही नहीं, ग्रीन हाइड्रोजन का भी स्रोत बन चुका है। इससे भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को नई प्रासंगिकता और व्यापक आयाम मिला है। लंबे समय तक दुनिया भारत को परमाणु तकनीक का उपभोक्ता मानती रही, लेकिन कल्पक्कम ने यह धारणा बदल दी। भारत ने साबित कर दिया है कि वह तकनीक का आयातक नहीं, वैश्विक नवाचार का निर्माता भी बन सकता है। वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का यही वास्तविक अर्थ है–समाधान अपनी प्रयोगशालाओं में गढ़ना और दुनिया को नई राह दिखाना। हरित ऊर्जा की असली कसौटी केवल स्वच्छ होना नहीं, हर पल उपलब्ध रहना भी है। सौर और पवन ऊर्जा पर्यावरण के लिए वरदान हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी सीमा मौसम पर निर्भरता है। परमाणु ऊर्जा इस बाधा से मुक्त है। इसलिए कल्पक्कम की यह तकनीक चौबीसों घंटे, वर्षभर कार्बन-मुक्त ग्रीन हाइड्रोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। इसका सबसे बड़ा लाभ इस्पात, उर्वरक, रसायन उद्योग और भारी परिवहन जैसे उन क्षेत्रों को मिलेगा, जहाँ कार्बन उत्सर्जन घटाना अब तक कठिन चुनौती रहा है। इन क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन में यह तकनीक निर्णायक साबित हो सकती है। साथ ही, यह राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को मजबूत वैज्ञानिक आधार देगी। स्वच्छ, सस्ती और निरंतर ऊर्जा ही हरित अर्थव्यवस्था को स्थायी आधार दे सकती है।

इतिहास रचना कठिन है, लेकिन उसे स्थायी परिवर्तन में बदलना उससे भी बड़ी चुनौती है। कल्पक्कम का यह संयंत्र अभी पायलट स्तर पर है, किंतु इससे प्राप्त अनुभव और आँकड़े भविष्य के वाणिज्यिक संयंत्रों की आधारशिला बनेंगे। यह प्रति घंटे सीमित मात्रा (लगभग 150 नॉर्मल लीटर पर आवर हाइड्रोजन) वाला टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर है, जिससे प्राप्त अनुभव बड़े वाणिज्यिक संयंत्रों (जैसे 3000 नॉर्मल लीटर पर आवर या अधिक) की नींव बनेगा। उत्पादन क्षमता का विस्तार, क्लोरीन का सुरक्षित प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन और पर्याप्त निवेश जैसी चुनौतियाँ अभी शेष हैं। फिर भी अंतरिक्ष से लेकर परमाणु विज्ञान तक भारत के वैज्ञानिक बार-बार सिद्ध कर चुके हैं कि सीमित संसाधन उनकी उड़ान को रोक नहीं सकते। इसलिए यह विश्वास पूरी तरह उचित है कि कल्पक्कम की यह शुरुआत आने वाले वर्षों में वैश्विक ऊर्जा उद्योग की नई क्रांति का आधार बनेगी।

कल्पक्कम की यह उपलब्धि केवल वैज्ञानिक सफलता नहीं, भारत के रणनीतिक भविष्य की आधारशिला है। बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, जीवाश्म ईंधनों के आयात पर निर्भरता घटेगी और विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत होगी। जलवायु परिवर्तन से मुकाबले में भारत की वैश्विक भूमिका भी अधिक प्रभावशाली बनेगी। आने वाले वर्षों में भारत ग्रीन हाइड्रोजन के प्रमुख निर्यातक देशों में स्थान बना सकता है। यह उपलब्धि एक साथ ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु न्याय और आर्थिक आत्मनिर्भरता–तीनों राष्ट्रीय लक्ष्यों को नई शक्ति देती है। साथ ही, नेट-ज़ीरो लक्ष्य हासिल करने की गति तेज होगी और युवा वैज्ञानिकों का यह विश्वास भी मजबूत होगा कि विश्व-स्तरीय नवाचार भारत की प्रयोगशालाओं में भी जन्म ले सकते हैं।

इतिहास बनाने का गौरव मिल चुका है, अब उसे भविष्य की ताकत में बदलना शेष है। इसके लिए दूरदर्शी नीतियाँ, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी, निरंतर अनुसंधान और दीर्घकालिक निवेश निर्णायक होंगे। यदि ये चारों आधार मजबूत रहे, तो 2030 तक भारत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में विश्व नेतृत्व स्थापित कर सकता है। कल्पक्कम का यह संयंत्र केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, उस नए भारत का प्रतीक है जो स्वदेशी प्रतिभा पर भरोसा करता है और दुनिया को नई दिशा देने का साहस रखता है। यह उपलब्धि भारत के तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण (फास्ट ब्रीडर) को हाइड्रोजन उत्पादन जैसे हाई-वैल्यू एप्लीकेशन्स से जोड़ती है। ऊर्जा क्रांति की शुरुआत हो चुकी है; अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस उपलब्धि को एक प्रयोग तक सीमित रखे या इसे आने वाली शताब्दी की वैश्विक पहचान बना दे।

–प्रो. आरके जैन

उदारीकरण के 35 साल बाद भी विनिर्माण में पिछड़ा भारत

लगभग 35 वर्ष पहले वर्ष 1991 में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने एक ऐसा बजट पेश किया था जिसने औद्योगिक लाइसेंसिंग का अंत करते हुए 'उदारीकरण' वाले सुधारों की शुरुआत की थी। यद्यपि उसे 'निजीकरण' सुधारों के रूप में अधिक जाना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सरकारी क्षेत्र से ?निजी उद्योगों की ओर बदलाव को देखा जा सकता था। शायद इसका सबसे अहम इरादा था विनिर्माण में वृद्धि को रफ्तार देना। सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में विनिर्माण की हिस्सेदारी में वृद्धि भी देखने को मिली और 1995-96 तक यह वर्तमान मूल्यों पर बढ़कर 19.7 फीसदी हो गया। परंतु यह अस्थायी कामयाबी थी।

तब से जीवीए में विनिर्माण की हिस्सेदारी 17-18 फीसदी के आसपास बनी रही और 2011-12 में यह 17.4 फीसदी रही। इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी और 2023-24 में यह घटकर 14.3 फीसदी पर आ गई जो 1974-75 में हासिल स्तर से भी 3 फीसदी कम था। यह गिरावट सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में विनिर्माण की हिस्सेदारी में कमी से भी मेल खाती है जो 2011-12 में 40.8 फीसदी से घटकर 2023-24 में 31.6 फीसदी रह गई। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि रोजगार में विनिर्माण की हिस्सेदारी 1990-91 से लेकर अब तक 10 फीसदी से थोड़े अ?धिक पर स्थिर बनी हुई है।

वैश्विक विकास सूचकांक दिखाते हैं कि वर्ष 2024 में भारत में वर्तमान डॉलर में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में प्रतिशत के रूप में विनिर्माण मूल्यवर्धन का हिस्सा 12.6 फीसदी था।

यह हमारे पड़ोसी देशों बांग्लादेश (21.9 फीसदी) और श्रीलंका (17.6 फीसदी), दक्षिण-पूर्व एशियाई देश इंडोनेशिया (19.0 फीसदी), मलेशिया (22.5 प्रतिशत), थाईलैंड (24.3 प्रतिशत) और वियतनाम (24.4 फीसदी) तथा पूर्वी एशियाई राष्ट्र चीन (24.9 फीसदी) और दक्षिण कोरिया (26.6 फीसदी) से स्पष्ट रूप से कम है। चीन के साथ तुलना सबसे उल्लेखनीय है। वर्ष 1990 में चीन और भारत के विनिर्माण आधार लगभग समान थे। लेकिन 2025 तक चीन का विनिर्माण मूल्य वर्धन भारत से लगभग 10 गुना बड़ा हो गया। स्पष्ट रूप से जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी में भारत और अधिकांश एशियाई देशों के बीच यह बड़ा अंतर इस बात का संकेत है कि हमारे यहां विनिर्माण प्रोत्साहन नीति पर्याप्त नहीं रही है।

भारत के सामने वर्तमान में सबसे महत्त्वपूर्ण विकास चुनौती विनिर्माण वृद्धि को नई गति देना और 25 फीसदी लक्ष्य हासिल करने की संभावना बढ़ाना है जिसे पहली बार 2012 में व्यक्त किया गया था और 2015 तथा 2025 की नीतिगत घोषणाओं में दोहराया गया। सच्चाई यह है कि विनिर्माण विकास का निजीकरण नए उद्यमियों के लिए उस तरह के अवसर नहीं पेश कर पाया जैसा कि उदारीकरण से अपेक्षित था।

–सुनील कुमार महला

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है।

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव 'पड़ोसी प्रथम' की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है। कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। श्रीलंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है।

इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई। इसके विपरीत, उसने मानवीय सहायता, विकास परियोजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। पाकिस्तान के निराधार आरोपों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट नीति और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देश भारत को स्थिरता, विकास और सहयोग के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति, जनसांख्यिकीय क्षमता और कूटनीतिक सक्रियता ने भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में ला खड़ा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सक्रिय विदेश यात्राओं और विश्व नेताओं के साथ निरंतर संवाद ने भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुदृढ़ किया है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह शक्ति और संवेदना, दोनों को साथ लेकर चल रहा है। वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए मानवता, सहयोग और वैशिक कल्याण की भावना को भी महत्व देता है। ईरान के साथ संबंधों को संतुलित ढंग से आगे बढ़ाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। आज की जटिल विश्व व्यवस्था में वही राष्ट्र सफल हो सकता है, जो संवाद, संतुलन, सह-अस्तित्व और दूरदर्शिता का परिचय दे। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि विश्व शांति, स्थिरता और सहयोग का भी एक विश्वसनीय वाहक बन सकता है। निस्संदेह भारत की संतुलित विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कूटनीतिक प्रयास आने वाले वर्षों में भारत को एक सशक्त, प्रभावशाली और नैतिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

–ललित गर्ग

बैटरी अपशिष्ट नियमों से बढ़ सकती हैं ईवी की कीमतें, सायम की चिंता जायज

बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 बैटरी उत्पादकों (और आयातकों) को यह जिम्मेदारी सौंपता है कि वे पुरानी पड़ चुकी बैटरियों को एकत्रित करें, उनका पुनर्चक्रण अथवा नवीनीकरण सुनिश्चित करें और नई बैटरियों में पुनः प्राप्त सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करें। हालांकि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सायम) ने हाल ही में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चेतावनी दी है कि इस प्रारूप का अनुपालन इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों को 3 से 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है और औसतन 35 से 40 किलोवॉट-घंटा (केडब्ल्यूएच) बैटरी पैक की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक का इजाफा कर सकता है।

ऐसे समय में जब भारत में ईवी का प्रसार अभी भी सीमित है तो यात्री कारों में लगभग 2 से 3 फीसदी और दोपहिया व तीन-पहिया वाहनों में कहीं अधिक लागत बढ़ाने वाले नियम उपभोक्ताओं द्वारा इसे अपनाने की गति को धीमा कर सकते हैं। साथ ही, ये सरकार के व्यापक अकार्बनीकरण लक्ष्यों को कमजोर करने का जोखिम पैदा करते हैं।

दूसरी ओर, बैटरी निर्माता चिंतित हैं कि सबको एक ही तराजू में तौलने वाला यह अनुपालन ढांचा घरेलू बैटरी उत्पादन की व्यावसायिक व्यवहार्यता को कमजोर कर सकता है। पैनासोनिक एनर्जी इंडिया ने चेतावनी दी है कि मौजूदा नियम भारत में उसके एकमात्र ड्राई-सेल जिंक-कार्बन बैटरी निर्माण संयंत्र को बंद करने पर विवश कर सकते हैं क्योंकि अनुपालन लागत लाभ से अधिक हो सकती है और कुछ मामलों में पुनर्चक्रण की बाध्यता पुनः प्राप्त सामग्रियों के मूल्य से भी अधिक महंगी पड़ सकती है।

कंपनी ने यह भी संकेत किया है कि नियम विभिन्न रसायन संरचनाओं वाली बैटरी श्रेणियों के बीच पर्याप्त भेद नहीं करते। इसके अलावा छोटे आकार की बैटरियों को एकत्र करने के लिए कोई मजबूत तंत्र भी नहीं है।

वाहन क्षेत्र की चिंता यह है कि मौजूदा नियम विनिर्माताओं को आठ वर्षों के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियों को एकत्रित करना शुरू करने के लिए बाध्य करते हैं। हालांकि लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियां जो किफ़ायती ईवी के लिए तेजी से पसंदीदा विकल्प बन रही हैं, वे आठ वर्षों के बाद भी अपनी मूल क्षमता का 70 से 80 फीसदी बनाए रखती हैं और वाहनों में सेवा जारी रख सकती हैं।

इसके अलावा इनको स्थिर ऊर्जा भंडारण के लिए दोबारा प्रयोग में लाया जा सकता है। केवल आयु के आधार पर संग्रहण को अनिवार्य करना, वास्तविक बैटरी स्वास्थ्य को अनदेखा करता है और यह गलत धारणा पैदा कर सकता है कि बैटरियों को बदलना आवश्यक है जबकि वे पूरी तरह से उपयोग करने लायक बनी रहती हैं।

यही वजह है कि भारत की पुनर्चक्रण नीति को जमीनी हालात और तकनीकी विकास को भी ध्यान में रखना चाहिए। इसी तरह विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) प्रमाणपत्रों की कीमत को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (दंड) से जोड़ने के बजाय बैटरी पुनर्चक्रण को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए आवश्यक वास्तविक राशि से जोड़ा जाना चाहिए। इससे अनुपालन लागत का अनुमान लग सकेगा और पुनर्चक्रण अधोसंरचना ढांचे में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

ऐसे सुधार भारत के बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के साथ लगातार महत्त्वपूर्ण होते जा रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक उन्नत रसायन वाली बैटरियों की मांग सालाना 260 गीगावॉट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक हो सकती है जबकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2050 तक वैश्विक स्तर पर महत्त्वपूर्ण खनिजों की मांग तीन गुना से अधिक बढ़ सकती है।

इसलिए इन सामग्रियों को कुशल पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः प्राप्त करना आयात निर्भरता को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक जरूरत है।

यूरोपीय संघ के बैटरी विनियमन ने डिजिटल बैटरी पासपोर्ट पेश किए हैं जो बैटरी की संरचना, स्वास्थ्य और उसके जीवनचक्र को दर्ज करते हैं, जिससे पुनः उपयोग, नवीनीकरण और पुनर्चक्रण पर अधिक बेहतर निर्णय लेना संभव होता है।

अमेरिका अपने ऊर्जा विभाग के रीसेल कार्यक्रम के माध्यम से उन्नत पुनर्चक्रण तकनीकों में निवेश कर रहा है जो सामग्री की अधिकतम पुनः प्राप्ति सुनिश्चित करती हैं और ऐसी बैटरी डिजाइन को समर्थन देती हैं जिसका पुनर्चक्रण आसान हो।

आगे का रास्ता डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से बैटरी को ट्रेस करने, अधिकृत पुनर्चक्रण क्षमता का विस्तार, अनौपचारिक पुनर्चक्रण की मजबूत निगरानी और विकसित होती बैटरी तकनीकों के आधार पर तकनीकी मानकों की समय-समय पर समीक्षा में निहित है। एक लचीला, विज्ञान-आधारित पुनर्चक्रण ढांचा भारत की पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता महत्त्वाकांक्षाओं को बेहतर समर्थन देगा। महत्त्वपूर्ण खनिज सुरक्षा को मजबूत करेगा और एक वास्तविक चक्रीय बैटरी प्रणाली का निर्माण करेगा।

–धनंजय राजौरा

जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर ने नागरिकों की समस्यातएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋषिराज सिंह के मार्गदर्शन में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती विशाखा देशमुख ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती देशमुख ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कन्हैयालाल तिलवारी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाये - जनसुनवाई में आवेदिका अमिता चंदेल निवासी ग्राम बामनखेड़ा ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए- जनसुनवाई में आवेदक संतोष सोनी पिता नेमीचंद सोनी निवासी देवास ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

भूमि का नामांतरण करवाया जाए- जनसुनवाई में आवेदक महेंद्र परमार ने भूमि का नामांतरण कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

किसान सम्मान निधि प्रदान करवाई जाए- जनसुनवाई में आवेदक रमेश दास निवासी ग्राम सालमखेड़ी ने किसान सम्मान निधि प्रदाय किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

मनचला कर रहा महिला को परेशान, महिला की शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की एक महिला की शिकायत पर कोवातली पुलिस ने एक मनचले के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उक्त आरोपी महिला के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर महिला से अनैतिक मांग कर रहा था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय महिला ने शिकायत में बताया कि शाजापुर निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू मार्च महीने से इंस्टाग्राम के जरिए ऑडियो-वीडियो काल और मैसेज कर उसे परेशान कर रहा था। महिला का आरोप है कि आरोपी उस पर होटल या अपने कमरे पर मिलने का दबाव बना रहा था। महिला ने बताया कि जब उसने मिलने से इनकार किया तो आरोपी ने उसे बदनाम करने और ब्लैकमेल करने की धमकी दी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर मौजूद उसकी तस्वीरों का इस्तेमाल कर एआई की मदद से अश्लील तस्वीरें बनाने और उन्हें पति व परिजनों को भेजने की धमकी भी दी। लेकिन महिला ने लंबे समय तक बदनामी के डर से शिकायत नहीं की। लेकिन जब महिला के पति को पता चला तो उन्होंने भी आरोपी से बात की। लेकिन आरोपी नहीं माना और इसके बाद भी धमकियां मिलती रहीं। महिला ने कहा कि इस घटना का असर उसके वैवाहिक जीवन पर भी पड़ रहा है और वह मानसिक रूप से परेशान हो रही है। हालांकि बाद में महिला ने थाने में शिकायत की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78(2), 126(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। आरोपी फिलहाल फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

उप निरीक्षक प्रेम यादव की बड़ी कार्रवाई, बाइक से 3 पेटी अवैध शराब जब्त; दो आरोपी गिरफ्तार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋषिराज सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में आबकारी उप निरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में ग्राम बांगर के पास की गई कार्रवाई में मोटरसाइकिल से अवैध रूप से ले जाई जा रही तीन पेटी देशी मदिरा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शिप्रा बायपास रोड से ग्राम बांगर की ओर एक मोटरसाइकिल पर अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक प्रेम यादव ने टीम के साथ घेराबंदी कर बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल क्रमांक MP-41 MA-6754 को रोका। तलाशी लेने पर वाहन से तीन पेटी देशी मदिरा बरामद हुई, जिसका परिवहन बिना वैध अनुमति के किया जा रहा था। मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान जब्त मदिरा एवं मोटरसाइकिल सहित कुल जब्ती का अनुमानित मूल्य 56,500 रुपये है। इस कार्रवाई में आबकारी आरक्षक निहाल खत्री ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आबकारी विभाग ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत एनसीटीई (NCTE) पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 99,597 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 78,784 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। द्वितीय चरण में 21,242 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 19,166 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। सत्यापन उपरांत 18,563 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रथम चरण में 16,856 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय चरण को मिलाकर अब तक कुल 35,419 विद्यार्थियों को एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की जा चुकी है। द्वितीय चरण में सीट आवंटित विद्यार्थियों को 29 जून से 4 जुलाई 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित प्रवेश प्रक्रिया में अब तक स्नातक पाठ्यक्रमों में लगभग 2 लाख तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 60 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। इस प्रकार विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अब तक लगभग 2 लाख 78 हजार विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं।

उच्च शिक्षा विभाग ने द्वितीय चरण में सीट आवंटित सभी विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर शुल्क जमा कर संबंधित महाविद्यालय में आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए प्रवेश सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संपन्न कराना सुनिश्चित करें।

मवेशी से टकराई कार, कार सवार बच्चा घायल

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम पनवाड़ी में मंगलवार को एक सड़क में अर्टिगा कार में सवार बच्चा घायल हो गया। यह कार शाजापुर से सारंगपुर की ओर जा रही थी। तभी पनवाड़ी गांव में हाईवे पर अचानक सड़क पर आई गाय कार से टकरा गई। जिससे वाहन में बैठे बच्चे को मामूली चोंट आई। घटना की सूचना मिलते ही सुनेरा थाना की डायल-112 टीम तत्काल मौके पर पहुंची। आरक्षक सुनील राजपूत और पायलट महेंद्र सिंह जादौन ने घटनास्थल का जायजा लिया और घायलों की सहायता की। हादसे में वाहन में सवार एक बच्चे के हाथ में चोट आई है, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली खरोंचें आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सुचारु किया।

चार दिन से नहीं पहुंचा कचरा वाहन, रहवासियों ने सड़क पर डाला कचरा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के आजाद चौक क्षेत्र में मंगलवार शाम करीब 4 बजे रहवासियों ने सड़क पर कचरा डालकर नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों ने नारेबाजी करते हुए नियमित कचरा संग्रहण और सफाई व्यवस्था शुरू करने की मांग की।

रहवासियों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 9 में पिछले चार दिनों से कचरा संग्रहण वाहन नहीं आया। इससे घरों में कचरा जमा हो गया है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं नगर पालिका में कई बार शिकायत की गई, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि कचरा उठाने के साथ-साथ नालियों की सफाई भी नहीं हो रही है, जिससे क्षेत्र में गंदगी बढ़ रही है। इस मामले में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि कचरा वाहन क्षेत्र में क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जांच कराई जाएगी। यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अमलतास यूनिवर्सिटी और IIT इंदौर (DRISHTI CPS) के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता, डिजिटल हेल्थकेयर पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा शिक्षा और आधुनिक तकनीक के तालमेल से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अमलतास यूनिवर्सिटी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर की IIT DRISHTI CPS फाउंडेशन के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस खास मौके पर दोनों संस्थानों के बीच डिजिटल हेल्थकेयर- ट्रांसफॉर्मिंग द फ्यूचर ऑफ पेशेंट केयर विषय पर एक विशेष इंटरएक्टिव सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें दोनों पक्षों के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर अपने विचार साझा किए।

इस सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आने वाला समय पूरी तरह से डिजिटल हेल्थकेयर का है, जिसके माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी मरीजों की सटीक मॉनिटरिंग और बेहतर इलाज को बेहद आसानी से संभव बनाया जा सकता है। इसके साथ ही दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच भविष्य की राह और साझा अवसरों को लेकर एक विस्तृत और खुली चर्चा भी हुई। इस महत्वपूर्ण चर्चा के तहत दोनों पक्षों में समान रिसर्च पार्टनरशिप, स्टूडेंट एंगेजमेंट और इनोवेशन प्रोग्राम को मजबूती से आगे बढ़ाने पर पूर्ण सहमति बनी है। इस जुड़ाव से अमलतास यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को आईआईटी इंदौर के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में नए आविष्कारों पर काम करने का एक बेहतरीन अवसर मिलेगा।

इस ऐतिहासिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अमलतास ग्रुप के चेयरमैन ने अपने संदेश में कहा कि यह कोलैबोरेशन मेडिकल साइंस और टेक्नोलॉजी का एक अद्भुत मिलन है। अमलतास यूनिवर्सिटी हमेशा से चिकित्सा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय शिक्षा और बेहतर सेवा के लिए प्रतिबद्ध रही है। देश के इस अग्रणी संस्थान के साथ हमारा यह साझा प्रयास न केवल हमारे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नए द्वार खोलेगा, बल्कि डिजिटल हेल्थकेयर के माध्यम से हम समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक भी अत्याधुनिक और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में पूरी तरह सफल होंगे।

सत्र में अमलतास विश्वविध्यालय के प्रो चांसलर डॉ. सलिल भार्गव, चांसलर डॉ. आर.के.सिंह, डॉ. एस.के. नेमा. मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. ए.के पिठवा, रजिस्ट्रार डॉ. अभय गुप्ता, डॉ. यू.एस. तिवारी एवं आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर आई.ए. पलानी, डॉ. परिमल कोरे, प्रोफेसर एम. तनवीर, डॉ. अयान मंडल, श्री वैभव जैन एवं अन्य सदस्य मोजूद थे अमलतास विश्वविध्यालय के अन्य फेकल्टी एवं छात्र छात्राएं से इस मास्टर क्लास डिजिटल हेल्थ केयर ट्रांसफोर्मिंग द फ्यूचर ऑफ पेशेंट केयर में भाग लिया।

जल का प्रत्येक स्रोत हमारी अमूल्य धरोहर है - राजस्व मंत्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन तथा जन-जागरूकता के लिए प्रदेशभर के साथ ही सीहोर जिले में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया गया। अभियान के समापन अवसर पर जिले के ग्राम सतपिपलिया में जिला स्तरीय समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा शामिल हुए। उन्होंने गांव के तालाब में श्रमदान किया, पौधारोपण किया और जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे जनआंदोलन का स्वरूप दे रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जल का प्रत्येक स्रोत हमारी अमूल्य धरोहर है, इसलिए उसके संरक्षण और संवर्धन में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने अभियान को सफल बनाने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट का स्थायी समाधान संभव है।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि अभियान की भावना को केवल 30 जून तक सीमित न रखें, बल्कि वर्षभर जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पौधरोपण तथा जल स्रोतों के संरक्षण के कार्यों को निरंतर जारी रखें।

सीआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने ढूंढ निकाले 27 लाख रू. के 179 मोबाइल फोन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपने मोबाइल गुम होने से मायूस हुए लोगों के चेहरे उस समय खिल उठे जब पुलिस ने उन्हें उनके गुम हुए मोबाइल उन्हें लौटाए। सभी ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस को यह सफलता सीआईआर पोर्टल की मदद से मिली, जिसके माध्यम से पुलिस ने मोबाइल को विभिन्न राज्यों में पहुंचे इन मोबाइलों को उनके मालिकों तक पहुंचा दिया।

पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत ने बताया कि इस अभियान के तहत 117 मोबाइल केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर पोर्टल की मदद से ट्रेस किए गए। इसके अलावा 62 मोबाइल जिले के विभिन्न थानों के प्रयासों से बरामद हुए। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए इन मोबाइलों को अलग-अलग जिलों और राज्यों से ढूंढ निकाला।

24 घंटे में मिल गया 45 हजार की कीमत का आईफोन- इस अभियान के दौरान शुजालपुर थाना क्षेत्र में 21 जून को गुम हुआ एक आईफोन 13 भी बरामद किया गया। करीब 45 हजार रुपए कीमत के इस फोन को साइबर टीम और थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर ट्रेस कर आवेदक को वापस लौटा दिया। मोबाइल वापस मिलने पर मालिकों ने पुलिस प्रशासन का आभार जताया। एसपी राजपूत ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कराएं। उन्होंने किसी भी साइबर ठगी की सूचना तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी थाने में देने को कहा। साथ ही सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत संदिग्ध लिंक, कॉल, ओटीपी और मैसेज से सतर्क रहने की भी सलाह दी।

फिल्म के बजाए कागज पर मिल रही एक्स-रे रिपोर्ट

मरीजों को नहीं मिल रहा सही उपचार, कागज पर स्पष्ट नहीं हो रही मरीजों की स्थिति

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में एक्स-रे की सुविधा है, लेकिन यहां फिल्म उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते मरीजों को कागज पर प्रिंट दी जा रही है। जिससे मरीजों को भी सही उपचार नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि कागज पर बीमारी का पता नहीं चल पाता। जिसके चलते फिलहाल जिला अस्पताल में एक्स-रे के मामले में जिला अस्पताल के हाल बेहाल हैं।

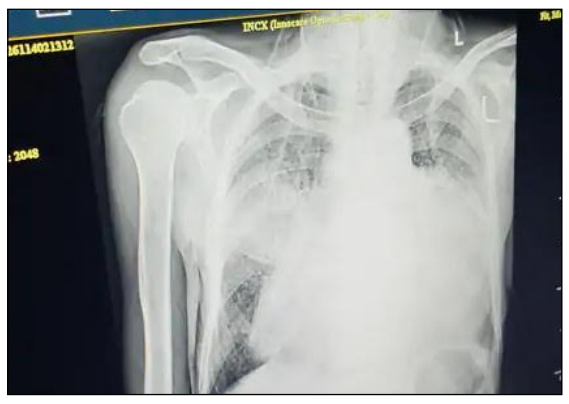

अस्पताल के एक चिकित्सक ने बताया कि कागज पर दिए जा रहे एक्स-रे में पूरी इमेज सफेद और धुंधली दिखाई देती है। कई बार यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि चोट आखिर कहां है। ऐसे में मरीज इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल आता है, लेकिन सही जांच रिपोर्ट नहीं मिलने से उसकी परेशानी और बढ़ जाती है। वहीं इलाज कराने आए मरीजों ने भी बताया कि एक्स-रे कराने के बाद उन्हें फिल्म की जगह कागज पर प्रिंट दिया गया। जब वह डॉक्टर के पास पहुंचे तो उन्होंने भी कहा कि इस प्रिंट में कुछ स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा है। सवाल यह है कि यदि जांच ही स्पष्ट नहीं होगी तो मरीज का सटीक इलाज कैसे होगा। मामले में जब सिविल सर्जन डॉ. बी.एस.मैना से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सभी मरीजों की जांच सही तरीके से की जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि पुलिस केस और गंभीर मरीजों को एक्स-रे फिल्म दी जाती है, जबकि अन्य मरीजों को कागज पर प्रिंट उपलब्ध कराया जाता है।

गंभीर मरीजों और पुलिस केस में दी जा रही फिल्म- सीएमएचओ कार्यालय में चर्चा की गई तो पता चला कि बजट सीमित होने के कारण फिलहाल एक्स-रे फिल्म केवल गंभीर और पुलिस प्रकरणों के मरीजों को ही दी जा रही है। अस्पताल के एक्स-रे रूम से मिली जानकारी के अनुसार यहां प्रतिदिन करीब 100 से 150 मरीजों के एक्स-रे किए जाते हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश मरीजों को पारंपरिक एक्स-रे फिल्म की बजाय साधारण कागज पर प्रिंट देकर भेजा जा रहा है। इससे मरीजों और डॉक्टरों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन आंदोलन, अभियान के अंतर्गत 2555 चेक डैम, 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच सहित अनेक संरचनाओं का हुआ निर्माण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर के साथ सीहोर जिले में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के मार्गदर्शन में जिले में यह अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से जन आंदोलन का रूप ले गया। अभियान के दौरान जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन तथा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए।

अभियान के अंतर्गत जिले में चेक डैम निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, पौधरोपण, पाइपलाइन सुधार, प्याऊ स्थापना तथा जल स्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए गए। इसके साथ ही जल चौपाल, जागरूकता रैली, वृक्ष पूजन, जल स्रोत पूजन, प्रभात फेरी, कलश यात्रा एवं अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 260 विद्यालयों में पानी की टंकियों की सफाई का कार्य पूरा किया गया। वन विभाग ने अपने सभी निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करते हुए 2555 चेक डैम, 10 तालाब निर्माण, 17 सौसर निर्माण, 4 तालाब गहरीकरण तथा 24,130 रनिंग मीटर कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 72 पोषण वाटिकाएं तथा 72 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए गए। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग ने 10 रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य तथा 975 पौधों का रोपण कर निर्धारित लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 78 जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 12 रूफ वाटर हार्वेस्टिंग कार्य भी पूर्ण किए गए।

नुक्कड़ नाटक से दिया साइबर ठगी से बचाव का संदेश

नगर में सेफ क्लील 2.0 अभियान के तहत हुआ आयोजन, निकाली रैली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस ने मंगलवार शाम को शहर के बड़ा चौक पर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके तहत नुक्कड़ नाटक और जागरूकता रैली के जरिए आम जनता को साइबर अपराधों और आनलाइन ठगी के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इसके माध्यम से उन्होंने आनलाइन ठगी के अलग-अलग तरीकों और उनसे बचने के उपायों को बेहद सरल और प्रभावी ढंग से पेश किया। इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे और साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां लीं। इस दौरान एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी अज्ञात या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने जोर दिया कि अपना ओटीपी, बैंक खाता नंबर, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी या यूपीआई पिन जैसी बेहद गोपनीय जानकारियां फोन या मैसेज पर किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। वहीं यदि कोई व्यक्ति किसी भी तरह की साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसे बिना देर किए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति अपने नजदीकी पुलिस थाने या साइबर हेल्प डेस्क पर जाकर भी सीधे संपर्क कर सकता है।

नगर में निकाली जागरूकता रैली- अभियान के अंतर्गत बड़ा चौक से नई सड़क होते हुए बस स्टैंड तक एक साइबर जागरूकता रथ के साथ रैली निकाली गई। इस रैली में करीब 150 विद्यार्थियों, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान साइबर सुरक्षा के नारों के साथ-साथ लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

रेलवे अधिनियम 1989 में संशोधन: बिना टिकट यात्रा सहित कई अपराधों पर जुर्माना बढ़ा

बिना टिकट यात्रा एवं पटरी पर नो पार्किंग वाले हो जाओ सावधान

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 की विभिन्न धाराओं में संशोधन कर कई अपराधों पर लगने वाले जुर्माने में वृद्धि की गई है। संशोधन का उद्देश्य रेलवे कानूनों को अधिक प्रभावी बनाना तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

रेल की पटरी पार करते हुए- एवं नो पार्किंग में पकड़े जाने पर आरपीएफ रेलवे पुलिस के द्वारा ?500 का जुर्माना करके रसीद दी जाएगी

इसी प्रकार अगर कोई व्यक्ति ट्रेन के अंदर या प्लेटफार्म पर बगैर टिकट , घूमता हुआ या यात्रा करता हुआ पाया गया तो उसके ऊपर भी ?500 एवं टिकट की राशि सहित टीटी के द्वारा जुर्माना की रसीद बना कर दी जाएगी

संशोधित प्रावधानों के अनुसार धारा 60 एवं धारा 87 के अंतर्गत अधिकतम जुर्माना 500 से बढ़ाकर 2000 कर दिया गया है। इसी प्रकार धारा 137 (बिना टिकट यात्रा) 250- पहले होता था लेकिन अब यात्री से किराया के साथ न्यूनतम 500 का अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। भुगतान नहीं करने पर मामला न्यायालय में प्रस्तुत होगा, जहां छह माह तक के कारावास अथवा 5000 तक के जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

धारा 138 के तहत भी किराया एवं अतिरिक्त शुल्क जमा नहीं करने पर न्यायालय द्वारा एक माह तक के कारावास का प्रावधान यथावत रखा गया है। धारा 142 में बिना अधिकार टिकट बेचने वालों के विरुद्ध कार्रवाई को और सख्त किया गया है तथा ऐसे मामलों में न्यायालय द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा धारा 144 में भी संशोधन कर जुर्माने एवं दंड के प्रावधानों को अधिक कठोर बनाया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे वैध टिकट लेकर यात्रा करें तथा रेलवे अधिनियम के नियमों का पालन करें, ताकि अनावश्यक जुर्माने एवं कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल पर होगें आवेदन ऑनलाइन जिले में 21 आंगनवाडी कार्यकर्ता और 23 सहायिकाओं की होगी भर्ती

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आंगनवाडी केन्द्रों में आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती की प्रकिया अपनाई जा रही है। इसके तहत 01 जुलाई 2026 से 13 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जा सकते है।

जिला कार्यक्रम अधिकरी श्री आर एस बघेल ने बताया कि जिले में 21 आंगनवाडी कार्यकर्ता और 23 सहायिकाओं के खाली पदों को भरने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिसमें पात्रता अनुसार महिलाओं को मौका दिया जाएगा। दोनों ही पदो के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आवेदन के लिए इच्छुक महिलाओं की उम्र 01 जनवरी 2026 की स्थिति में 18 से 35 वर्ष होना चाहिए। आवेदन के साथ शैक्षणिक दस्तावेज भी दर्ज करना होगे।

ग्राम व वार्ड निवासी को प्राथमिकता-आवेदिको के लिए ग्राम और शहरी क्षेत्र में वार्ड निवासी को पहली प्राथमिकता रहेगी। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निवासी संबंधी प्रमाण पत्र, आवेदिका अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की है तो जाति प्रमाण पत्र, आवेदिका वर्तमान में बीपीएल में जीवन यापन कर रही है तो बीपीएल का प्रमाण पत्र, विधवा/परित्यक्ता के लिए सक्षम न्यायालय द्वारा जारी प्रमाण पत्र लेकर ही आवेदन एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते है।

जिले में कहाँ कहाँ पर रिक्त पद है कि जानकारी परियोजना/विकासखण्ड कार्यालय की सूचना पटल पर चस्पा की गई है। आवेदक अधिक जानकारी के लिए परियोजना कार्यालय मे संपर्क कर सकते है।

जिले में रिक्त पदों की स्थिति पेटलावद विकासखंड में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 6 तथा सहायिका का 1 पद रिक्त है। थांदला में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 2 एवं सहायिका के 2 पद रिक्त हैं। मेघनगर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का पद रिक्त नहीं है, जबकि सहायिका के 4 पद रिक्त हैं।

देपालपुर पुलिस के द्वारा साप्ताहिक हाट बाजार में सेफ क्लिक 2.0 के तहत

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान सेफ क्लिक 2.0 के तहत प्रतिदिन नए तरीके से सायबर जागरुकता के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 30.06.2026 को देपालपुर के साप्ताहिक हाट बाजार में देपालपुर पुलिस द्वारा सायबर अपराधों के बारे में जागरुक किया गया तथा सायबर अपराधों के संबंध में जानकारी दी गई। लोगो को हिदायत दी गयी कि वो अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखे, किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक अकाउंट डिटेल, पासवर्ड, UPI पिन व OTP साझा न करें, किसी लिंक पर क्लिक ना करें, किसी अनजान नम्बर से व्हाटसप् पर फोटो, वीडियो या कोई लिंक आती है तो उसे क्लिक न करें। ऑनलाईन लोन प्रदान करने वाले मोबाईल एप्लीकेशन से लोन न ले। अपने फैसबुक, इस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया अकाउंट को प्राइवेट रखे, लोगो को बताया गया कि आपके साथ किसी प्रकार से कोई सायबर अपराध घटित होता है तो आप तुरन्त सायबर हेल्प लाईन नम्बर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कराये या राष्ट्रीय सायबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। लोगों द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं इस अभियान की सराहना की गई।

नगर परिषद उन्हेल मे शासन निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान समापन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद उन्हेल, शासन निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान समापन कार्यक्रम के अवसर पर आज दिनांक 30.06.2026 को प्रातः 11ः00 बजे नगर के छोटा तालाब पर श्रमदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा की उपस्थिति में किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में श्रमदान एवं पौधारोपण किया गया जिसमें उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय, पार्षद नागेश माली, संजय शिंदे, पार्षद प्रतिनिधि योगेश यति, गोविंद नंदेडा पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष लाल ईश्वर सोनी एवं नगर परिषद के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं संवेदनशील निराकरण के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना गया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 108 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर तथ्यात्मक जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत प्राप्त हो सके।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पारेवा, तहसील पेटलावद निवासी श्री नानसिंह पिता वजसिंग कतीजा ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके द्वारा विपक्षी के विरुद्ध धारा 250 के अंतर्गत उपतहसील झकनावदा में प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उनके पक्ष में कृषि भूमि का कब्जा दिलाए जाने का आदेश पारित किया जा चुका है। आदेश पारित होने के बावजूद आज तक उन्हें भूमि का वास्तविक कब्जा प्राप्त नहीं हो सका है। वर्तमान में कृषि कार्य एवं आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने शीघ्र कब्जा दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार ग्राम बहादुरपाड़ा, तहसील थांदला निवासी श्री लिलेश पिता देवचंद भूरिया ने ग्राम पंचायत पाड़ा धामंजर, जनपद पंचायत थांदला में निर्माण कार्यों के लिए राशि आहरित किए जाने के बावजूद मौके पर कार्य पूर्ण नहीं होने तथा अनियमितता एवं फर्जीवाड़े की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रकरण की जांच हेतु एसडीएम थांदला को निर्देशित करते हुए 15 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

वार्ड क्रमांक 13, मेघनगर निवासी श्री अनसिंग पिता भीला वसुनिया ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिलाने के लिए लगभग आठ वर्ष पूर्व महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्र में समस्त आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे, किंतु आज तक उन्हें योजना का लाभ प्राप्त नहीं हुआ। इस पर कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम चेनपुरी, तहसील थांदला निवासी श्रीमती कमली पति मांगु डामोर ने बंटवारे के पश्चात भी भूमि विवाद उत्पन्न किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम बामनिया, तहसील पेटलावद निवासी श्री कैलाश पिता भुरा डामोर ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन मकान का कुछ हिस्सा विपक्षीगणों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने तथा विरोध करने पर धमकी दिए जाने की शिकायत प्रस्तुत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम जुलवानिया बड़ा, तहसील थांदला निवासी श्रीमती रमिला पति जयंतीलाल खड़िया ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि आंगनवाड़ी सहायिका पद पर चयनित होने के पश्चात भी उन्हें नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया गया था, किंतु उसका निराकरण नहीं हुआ। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को प्रकरण का परीक्षण कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य समापन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण और वृक्षारोपण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्षा जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग और रिचार्ज सिस्टम, कुएँ बावड़ी सहेजना जरूरी हैं तथा पेड़ जल संरक्षण का सबसे बडा माध्यम हैं। इस कार्यक्रम मे अध्यक्ष महोदया अनीता पुरी , प्रतिनिधि महेश पूरी, समारोह में जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाज सेवी, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन संपन्न, नई संभागीय व जिला कार्यकारिणी की घोषणा, वरिष्ठ पत्रकार सम्मानित

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन रविवार को रतलाम में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। सम्मेलन में संघ के प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी, महापौर प्रहलाद पटेल, डीआरएम अश्वनी कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, निगम सभापति मनीषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन रतलाम जिला इकाई के अध्यक्ष राजेश जैन ने दिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा कि पत्रकारों को आत्ममंथन करने

की आवश्यकता है कि आखिर समाज पहले की तरह उनके पक्ष में क्यों नहीं खड़ा होता। उन्होंने कहा कि यदि पत्रकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की आवाज बनकर निष्पक्षता और निर्भीकता से कलम चलाएंगे तो पत्रकारिता का पुराना सम्मान निश्चित रूप से वापस लौटेगा।

उन्होंने संगठन की मजबूती पर भी जोर देते हुए कहा कि वे कई वर्षों से संगठन का नेतृत्व छोड़ना चाहते हैं, लेकिन कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आ रहा है। इसके बावजूद वे संगठन के हित में निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी ताकत ग्रामीण पत्रकारों के पास है।

महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का कार्य करते हैं और कई बार घटनास्थल पर पुलिस से पहले पहुंचकर समाज को सही जानकारी उपलब्ध कराते हैं। डीआरएम अश्वनी कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और समाचारों को तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कहा कि पत्रकारों की लेखनी प्रशासन को उसकी जिम्मेदारियों का एहसास कराती है। वहीं पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी ने स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका को याद करते हुए कहा कि उस दौर के पत्रकारों ने निर्भीक होकर देशहित में अपनी लेखनी चलाई थी।

वरिष्ठ पत्रकार शरद जोशी ने कोरोना काल के दौरान बंद हुई पत्रकार कल्याण योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने श्रद्धा निधि सहित विभिन्न सुविधाओं को पुनः शुरू करने और तहसील स्तर पर पत्रकारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

सम्मेलन में विकास प्राधिकरण अध्यक्ष मनोहर पोरवाल, नीमच जिला अध्यक्ष प्रदीप जैन, मंदसौर जिला अध्यक्ष हेमंत जैन, उज्जैन संभाग अध्यक्ष मनोज जैन, संभागीय महासचिव राजेंद्र अग्रवाल, प्रतीक खरे, डॉ. नरेंद्र सिंह राजावत, भेरूलाल टांक, राजेंद्र राठौर सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

कलेक्टर ने गुड सेमेरिटन योजना के अंतर्गत राहवीर श्री चन्द्रभानसिंह भदोरिया को किया सम्मानित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन ऑवर के दौरान समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने हेतु संचालित गुड सेमेरिटन योजना के अंतर्गत जिले के राहवीर श्री चन्द्रभानसिंह भदोरिया को सम्मानित किया गया। परिवहन आयुक्त म. प्र. ग्वालियर द्वारा कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के माध्यम से प्रशस्ति

प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके सराहनीय एवं मानवीय कार्य का सम्मान किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी झाबुआ श्रीमती कृतिका मोहटा ने बताया कि श्री चन्द्रभानसिंह भदोरिया द्वारा एक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर के दौरान त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई थी। उनके इस साहसिक एवं मानवतापूर्ण कार्य के लिए गुड सेमेरिटन योजना के अंतर्गत उन्हें सम्मानित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त दुर्घटना में घायल मुकेश का उपचार के दौरान निधन हो गया था, जबकि दूसरे घायल सुनिल को मस्तिष्क सहित शरीर के अन्य भागों में गंभीर चोटें आई थीं। घायल सुनिल का उपचार लगभग एक माह दस दिवस तक अस्पताल में किया गया। ऐसे कठिन समय में श्री चन्द्रभानसिंह भदोरिया द्वारा दिखाई गई तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन, कोयला फाटक उज्जैन Ph: 0734-2535229
Website:http://nagarnigamujjain.org/E-mail:nn.ujjain@mpurban.gov.in

-: (Online)निविदा विज्ञप्ती :-

क्रं.उ.वि./430 — उज्जैन दिनांक :-29/06/2026

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र.शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी सी)एम.पी.गर्वमेंट व सिरियल क्रं.1 से 23 का टेण्डर फार्म मूल्य 2000/- रहेगा। सिरियल क्रं.1 से 23 का आनलाईन क्रय करने की अंतिम दिनांक 06.07.2026 समय 18.00, ऑनलाईन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 06.07.2026 समय 18.00 रहेगी। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑन लाईन दी जावेगी। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी।

क्रं.	निविदा विज्ञप्ति क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लगत	नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल	अर्नेस्टमनी रू.	समय अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	E-Tendering No. 2025_UAD_446983_5	झोन क्रमांक 02 भवन के प्रथम तल पर अतिरिक्त तल निर्माण एवं संधारण कार्य	5,82,014/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	11,650/-	60 दिन
2	E-Tendering No. 2025_UAD_446990_4	झोन क्रमांक 02 अन्तर्गत फायर ब्रिगेड बिल्डिंग का विभिन्न संधारण कार्य	8,46,969/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	16,940/-	60 दिन
3	E-Tendering 2025_UAD_432084_8	वार्ड क्रं. 4 अन्तर्गत शहीद नगर कम्युनिटी हाल पर प्रथम तल निर्माण कार्य	5,92,978/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	11,860/-	30 दिन
4	E-Tendering No. 2025_UAD_448508_8	वार्ड क्रमांक 04 अन्तर्गत जनसुविधा केन्द्र निर्माण करने बाबत्।	1,44,071/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR & Non Sor	2,885/-	30 दिन
5	E-Tendering No. 2023_UAD_300408_18	वार्ड क्रं. 4 अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर सीवरेज मेंटेनेंस कार्य	4,21,754/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,450/-	30 दिन
6	E-Tendering No. 2026_UAD_493633_4		8,47,420/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,475/-	30 दिन
7	E-Tendering No. 2026_UAD_493766_4	वार्ड क्रं. 7 अन्तर्गत सत्यम गार्डन के पास पुरुषोत्तम सागर के सामने सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	1,41,796/-	UADD ISSR SOR 02.8.2021	2,840/-	30 दिन
8	E-Tendering No. 2026_UAD_481214_4	वार्ड क्रमांक 14 अन्तर्गत मुरारीपुरा एवं ओरापुरा में सीसी एवं चेम्बर निर्माण कार्य	8,38,847/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,390/-	30 दिन
9	E-Tendering No. 2026_UAD_496813_5	वार्ड क्रं. 14 अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर नाली, चेम्बर एवं क्रास ड्रेन निर्माण कार्य	5,08,136/-	UADD ISSR SOR 02.8.2021	5,085/-	30 दिन
10	E-Tendering No. 2026_UAD_509318_3	वार्ड क्रमांक 19 अन्तर्गत रेखा फैशन की गली मेट्रो टॉकिज रोड़ में नाली निर्माण कार्य	2,59,285/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	2,595/-	30 दिन
11	E-Tendering No. 2025_UAD_412496_7	वार्ड क्रमांक 20 अन्तर्गत मिर्चीनाला सामुदायिक भवन में नाली निर्माण कार्य	5,59,896/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	11,200/-	30 दिन
12	E-Tendering No. 2026_UAD_497002_4	वार्ड क्रं. 20 अन्तर्गत वार्ड में साईट बैक पर विभिन स्थानों पर नाली निर्माण कार्य	8,47,268/-	UADD ISSR SOR 02.8.2021	8,475/-	30 दिन
13	E-Tendering No. 2023_UAD_262445_20	वार्ड क्रं. 21 अन्तर्गत रामदास मंदिर से आताल पाताल भैरव मंदिर तक सीमेंट कांक्रीट सडक निर्माण कार्य	5,06,923/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	10,140/-	30 दिन
14	E-Tendering No. 2024_UAD_335421_11	वार्ड क्रं. 21 अन्तर्गत छोटा तेलीवाडा से बडे रोजे के पास तक सीसी कार्य	8,44,872/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	16,890/-	30 दिन
15	E-Tendering No. 2023_UAD_259244_21	वार्ड क्रं. 21 अन्तर्गत शनि मंदिर मगरमुंहा से भगतसिंह उद्यान होते हुए भैरव मंदिर तक सीमेंट कांक्रीट निर्माण कार्य	4,22,436/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,450/-	30 दिन
16	E-Tendering No. 2024_UAD_335416_11	वार्ड क्रं. 21 अन्तर्गत श्रीनाथ मंदिर की गली नं.1.2 व 3 में सीसी निर्माण कार्य	4,22,436/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,450/-	30 दिन
17	E-Tendering No. 2024_UAD_335430_11	वार्ड क्रं. 22 अन्तर्गत गोगादेवी मंदिर के सामने से संतोष सारवान जी के मकान तक सेन्टरलाईन ड्रेन निर्माण कार्य	2,62,192/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	5,250/-	30 दिन
18	E-Tendering No. 2023_UAD_310746_13	वार्ड 22 अन्तर्गत भार्गव घाटी स्थित शिवनारायण जोशी के मकान से सवारी मार्ग तक सेन्टर लाईन ड्रेन निर्माण कार्य	5,42,643/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	10,860/-	60 दिन
19	E-Tendering No. 2023_UAD_310733_13	वार्ड 22 अन्तर्गत कुम्हारवाडा से लेकर आनंद पैलसे से सवारी मार्ग तक सेन्टर लाईन ड्रेन निर्माण कार्य	8,32,108/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	16,650/-	60 दिन
20	E-Tendering No. 2026_UAD_481269_4	वार्ड क्रमांक 22 अन्तर्गत क्षिप्रा नदी से रामघाट तक वस्त्र बदलने हेतु चेंजिंग रूम बनाये जाने बाबत्।	4,17,223/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR & Non Sor	4,175/-	30 दिन
21	E-Tendering No. 2026_UAD_481306_4	वार्ड क्रमांक 22 अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर क्रास ड्रेन एवं चेम्बर निर्माण कार्य	8,45,412/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	8,455/-	30 दिन
22	E-Tendering No. 2023_UAD_305214_14	वार्ड क्रमांक 22 खैया में मदन राठी के मकान से मेन रोड तक सेन्टर लाईन नाली निर्माण कार्य	4,57,977/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	9,160/-	30 दिन
23	E-Tendering No. 2023_UAD_305215_14	वार्ड क्रमांक 22 वरही माता की गली नाहरवाला पण्डा के घर से महाकाल दुध डेरी तक एवं जुडी हुई दोनों गली में सेन्टर लाईन नाली निर्माण कार्य	8,01,323/-	02.8.2021 UADD ISSR SOR	16,030/-	30 दिन

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम उज्जैन

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय बैंकर्स परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्वरोजगार एवं वित्तीय समावेशन संबंधी योजनाओं के अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा बैंकों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने निर्देश दिए कि चालू वित्तीय वर्ष में संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त स्वरोजगार संबंधी प्रकरणों के निराकरण हेतु विकासखंड एवं जिला स्तर पर विशेष स्वरोजगार शिविर आयोजित किए जाएं तथा पात्र हितग्राहियों के प्रकरण तैयार कर बैंकों से शीघ्र स्वीकृत कराए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में प्रत्येक मंगलवार को स्वरोजगार दिवस के रूप में आयोजित करते हुए स्वरोजगार योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि श्री राम पोरवाल ने प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत खोले गए शून्य शेष राशि वाले खातों की समीक्षा करते हुए बैंकों को ऐसे खातों को पुनः सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित री-केवाईसी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट एवं ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से घर-घर संपर्क अभियान चलाकर खाताधारकों से संपर्क स्थापित किया जाए।

बैठक में जिले में निष्क्रिय बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट्स को पुनः सक्रिय करने तथा राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति के अंतर्गत जिले के 86 अनबैंक्ड केंद्रों में बैंक शाखा अथवा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट की स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस संबंध में कलेक्टर ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की बैंक सखी के माध्यम से कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए।

बैठक में राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति 2025-30 के अंतर्गत महिला संचालित बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट्स की संख्या में वृद्धि पर भी विशेष बल दिया गया। इस दौरान बताया गया कि नए बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट्स की नियुक्ति में न्यूनतम 30 प्रतिशत पद महिलाओं के नाम से सुनिश्चित किए जाएं, जिससे महिलाओं की वित्तीय भागीदारी एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को उद्यम पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई तथा नागरिकों को निष्क्रिय एवं अप्रयुक्त जमा राशियों की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु पोर्टल के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया।

बैठक के अंत में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि वित्तीय समावेशन एवं स्वरोजगार संवर्धन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने सभी बैंकर्स एवं संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने, लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा जिले में वित्तीय सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के निर्देश दिए।

इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, जीएमडीआईसी सुश्री पिंकी डिंडोर, एलडीएम अन्य जिलाधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे।

12 सितम्बर को आयोजित होगी वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर 2026 (शनिवार) को किया जाएगा। जिला मुख्यालय नीमच सहित तहसील मुख्यालय मनासा, जावद एवं रामपुरा स्थित न्यायालय परिसरों में आयोजित होने वाली इस नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री वीरेन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में नीमच, मनासा, जावद एवं रामपुरा न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य प्रकरणों का आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण किया जाएगा। इनमें दाण्डिक, सिविल, विविध, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत अधिनियम से संबंधित प्रकरणों के साथ ही नगर पालिका एवं नगर पंचायत, श्रम, बैंक तथा अन्य समझौता योग्य प्रकरण शामिल रहेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संबंधित पक्षकारों से अपील की है, कि वे अपने समझौता योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु अपने अभिभाषकों से संपर्क कर, संबंधित न्यायालय अथवा कार्यालय में आवश्यक सहमति प्रस्तुत करें, ताकि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का शीघ्र, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह संपन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभियान की उपलब्धियों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों का सम्मान कर जनसहभागिता का अभिनंदन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवन्त सिंह पटेल, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनों द्वारा जल संरक्षण की शपथ ली गई एवं माननीय मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन भी किया गया। इस दौरान लोकसभा सांसद श्री पटेल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं बल्कि जीवन, विकास, समृद्धि और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का आधार है। मध्य प्रदेश नदियों, तालाबों और प्राकृतिक जल स्रोतों से समृद्ध प्रदेश है, किंतु बदलते जलवायु परिवर्तन चक्र, भूजल के अत्यधिक दोहन एवं जल प्रबंधन के प्रति बढ़ती असावधानी के कारण जल संरक्षण आज हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का निर्णय लिया है; अतः हमें आधुनिक तकनीक एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ जल को संरक्षित कर उचित प्रबंधन करना होगा। आज का दिवस इस अभियान का समापन नहीं, बल्कि जनता की जिम्मेदारी से जल संरक्षण के एक नए अध्याय की शुरुआत है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत सिंह पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि अभियान के तहत धरातल पर किए गए कार्यों का सीधा लाभ क्षेत्र की जनता को मिलेगा। पर्यावरण के संतुलन हेतु जल संरक्षण के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पौधारोपण आज की महती आवश्यकता है। जिसके लिए शासन की मंशा अनुरूप जन-जन को इस ओर कार्य करना होगा।

शालाओं में बच्चों को दी जाये गुणवत्तायुक्त शिक्षा- कलेक्टर श्रीमति सिंह

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षण सत्र प्रारंभ हो चुका है, अतः जिले की समस्त शासकीय शालाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षकों के द्वारा गुणवत्तायुक्त शिक्षा दी जाये। इसके लिए शिक्षण सत्र की शुरूआत से ही शिक्षकों के द्वारा विशेष प्रयास किये जाये। बच्चों को पठन-पाठन के साथ-साथ समूह में विषयवार चर्चा करना है, सिखाया जाये। बच्चों का साप्ताहिक कैलेण्डर बनाकर उसके अनुसार ही पढ़ाया जाये। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने उक्त बाते मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित जनशिक्षकों की बैठक के दौरान कही। इस दौरान कलेक्टर ने जनशिक्षकों को स्कूलों में बच्चों का नामांकन, अपार आईडी, शिक्षकों एवं बच्चों की उपस्थिति, बुनियादी शिक्षा, साक्षरता एवं भाषा के ज्ञान पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया। बैठक में दिये गये निर्देश ऽ शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में दर्ज बच्चों की शतप्रतिशत अपार आईडी बनाई जाये। इस कार्य को आगामी 15 दिवस में पूर्ण किया जाये। ऽ शिक्षा की गुणवत्ता की मानीटरिंग का कार्य जनशिक्षक के द्वारा किया जाये। जनशिक्षक द्वारा शालाओं का नियमित भ्रमण किया जाये। वे जब भी शाला भ्रमण पर जाये तो एक पीरियड पढ़ाकर शाला में शिक्षा की गुणवत्ता का परीक्षण स्वयं करे। ऽ जिले की शालाओं में शिक्षकों की उपस्थिति हेतु एक विशेष गुगल शीट तैयार की गई है। उस पर समस्त शाला प्रमुख प्रतिदिन अपनी शाला की स्थिति अपडेट करे। ऽ जनशिक्षक भ्रमण के दौरान शाला में बच्चों के दस्तावेजो से संबंधित अपूर्ण कार्यो की मानीटरिंग करे। ऽ शिक्षा गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रतिमाह जिले की शालाओं में विद्यार्थियों का टेस्ट लिया जाये। जिसकी मानीटरिंग जिला अधिकारी द्वारा की जायेगी।

अपूर्ण निर्माण कार्यों में शासकीय राशि के दुरुपयोग पर पूर्व सरपंच एवं पूर्व सचिव के विरुद्ध वसूली के आदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत जुलवानिया बड़ा, जनपद पंचायत थांदला में 14वें वित्त आयोग योजना अंतर्गत वर्ष 2018-19 में स्वीकृत दो निर्माण कार्यों में अनियमितता एवं शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा पूर्व सरपंच एवं पूर्व सचिव के विरुद्ध वसूली की कार्यवाही के आदेश जारी किए गए हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार ग्राम पंचायत जुलवानिया बड़ा में 14वें वित्त आयोग योजना अंतर्गत स्वीकृत रूण्डीपाड़ा से श्मशान घाट तक पुलिया निर्माण कार्य तथा नाली निर्माण कार्य आज तक अपूर्ण पाए गए। इन कार्यों के विरुद्ध कुल 8 लाख 62 हजार रुपये की शासकीय राशि का आहरण किया गया था, जिसे वसूली योग्य बताया गया। इस संबंध में पूर्व सरपंच एवं सचिव द्वारा शासकीय राशि का गलत तरीके से आहरण एवं दुरुपयोग किए जाने के कारण उनके विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के अंतर्गत कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन जिला पंचायत को प्रेषित किया गया।

प्रकरण का परीक्षण करने पर पाया गया कि संबंधित निर्माण कार्य अनावेदकों के कार्यकाल में अपूर्ण रहे, जिससे शासन को वित्तीय हानि की स्थिति निर्मित हुई। इसके पश्चात म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 89 के अंतर्गत संबंधितों को युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए सूचना पत्र जारी किए गए।

प्रकरण में पूर्व सरपंच श्रीमती मारिया वसुनिया तथा पूर्व सचिव श्री धनसिंह चरपोटा को विधिवत सूचना तामील कर सुनवाई हेतु उपस्थित होने का अवसर दिया गया, किन्तु दोनों ही अनावेदक निर्धारित तिथि 21 मई 2026 को उपस्थित नहीं हुए तथा न ही उनके द्वारा कोई लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया। फलस्वरूप उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला के प्रतिवेदन के अनुसार प्रश्नाधीन निर्माण कार्यों के विरुद्ध आहरित राशि में से 4 लाख 14 हजार 140 रुपये की राशि वसूली योग्य पाई गई। निर्माण एजेंसी को कार्य पूर्ण करने तथा आहरित राशि जमा करने हेतु समय-समय पर अवसर दिए जाने के बावजूद न तो कार्य पूर्ण किए गए और न ही राशि जमा कराई गई।

संपूर्ण प्रकरण, प्रस्तुत अभिलेखों एवं उपलब्ध तथ्यों के परीक्षण के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि पूर्व सरपंच श्रीमती मारिया वसुनिया एवं पूर्व सचिव श्री धनसिंह चरपोटा द्वारा शासकीय राशि का अनधिकृत रूप से आहरण कर उसे नियत समयावधि में कार्य पूर्ण किए बिना अपनी अभिरक्षा में रखा गया, जो कि कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही एवं शासकीय धन के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है। इस कारण दोनों को संयुक्त रूप से उत्तरदायी माना गया।

105 हेक्टेयर वन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही संपन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खंडवा वन मंडल की गुड़ी रेंज के ग्राम आमाखुजरी में अतिक्रमण की खबर मिलने के बाद कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन के साथ अतिक्रमित वन क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान वनमण्डल अधिकारी श्री राकेश डामोर भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस अवसर पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में लगे वन विभाग एवं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वन मंडल अधिकारी श्री डामोर ने बताया कि लगभग तीन दर्जन जेसीबी मशीनों की मदद से कुल 105 हेक्टेयर वन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि जेसीबी की मदद से संबंधित क्षेत्र में अतिक्रमणरोधी 9000 बड़े आकार के कंटूर ट्रेंच (गड्ढे) तैयार किए गए हैं। वन मंडल अधिकारी श्री डामोर ने बताया कि गुड़ी क्षेत्र में सोमवार को वनक्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस कार्यवाही में लगभग 550 की संख्या में वन विभाग का बल तैनात किया गया। इसमें 35 महिला कर्मी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि खंडवा जिले के अलावा सेंधवा, बड़वानी, खरगोन क्षेत्र से भी वन विभाग का बल आज ग्राम आमाखुजरी में हुई कार्यवाही के लिए बुलाया गया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री महेंद्र तारणेकर ने बताया कि इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत 8 नामजद आरोपियों एवं अन्य के विरुद्ध एक एफआईआर दर्ज की गई है। सोमवार को गुड़ी क्षेत्र में की गई अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही में लगभग 200 की संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, जिसमें 14 थाना प्रभारी तथा तीन राजपत्रित अधिकारी एवं एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शामिल थे। सिविल सर्जन डॉक्टर अनिरुद्ध कौशल ने बताया कि रविवार को गुड़ी क्षेत्र में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में घायल वन विभाग के 5 कर्मचारी जिला अस्पताल में भर्ती किए गए थे।

उन्नत गेहूँ किस्म DBW 303 (करण वैष्णवी) ने बदली किसान की तस्वीरः बढ़ी उत्पादकता, गुणवत्ता और आय

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आधुनिक कृषि तकनीकों, गुणवत्तायुक्त बीजों एवं वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आय एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। इसका उत्कृष्ट उदाहरण झाबुआ जिले के विकासखंड रामा अंतर्गत ग्राम रूपरेल के प्रगतिशील कृषक श्री रूपला देवल, पिता श्री नाना देवल ने प्रस्तुत किया है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग से उन्होंने गेहूँ की उन्नत किस्म DBW 303 (करण वैष्णवी) का सफल प्रदर्शन कर न केवल अपनी उत्पादकता बढ़ाई, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल स्थापित किया है।

श्री रूपला देवल एक मध्यम श्रेणी के कृषक हैं, जिनके पास कुल 3.8 हेक्टेयर कृषि भूमि उपलब्ध है। वे वर्षों से पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ खेती करते रहे हैं, लेकिन बदलते समय के साथ उन्होंने वैज्ञानिक खेती को अपनाने का निर्णय लिया। कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीजों एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के संबंध में दिए गए प्रशिक्षण एवं परामर्श से प्रेरित होकर उन्होंने वर्ष 2025-26 में अपने खेत के 0.4 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूँ की उन्नत किस्म DBW 303 (करण वैष्णवी) का प्रदर्शन किया।

पारंपरिक खेती से आधुनिक खेती की ओर बढ़ाया कदम- वर्ष 2024-25 में श्री रूपला देवल द्वारा गेहूँ की प्रचलित किस्म DBW 3382 की खेती की गई थी। इस दौरान उन्होंने प्रति एकड़ 40 किलोग्राम बीज का उपयोग किया तथा 20 सेंटीमीटर पंक्ति से पंक्ति एवं 5 से 7 सेंटीमीटर पौधे से पौधे की दूरी के साथ बुवाई की। इस किस्म से उन्हें लगभग 19 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसमें से लगभग 15 क्विंटल प्रति एकड़ गेहूँ का विक्रय किया गया।

हालांकि उत्पादन संतोषजनक था, लेकिन अधिक उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता एवं अधिक लाभ प्राप्त करने की इच्छा ने उन्हें उन्नत किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में उन्होंने वर्ष 2025-26 में DBW 303 (करण वैष्णवी) किस्म का चयन किया।

वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर प्राप्त की सफलता- श्री रूपला देवल ने केवल उन्नत बीज का ही उपयोग नहीं किया, बल्कि संपूर्ण खेती प्रक्रिया को वैज्ञानिक पद्धति से अपनाया। उन्होंने बीजोपचार कर बीज जनित रोगों से सुरक्षा सुनिश्चित की, संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाया, समय पर बुवाई की तथा खरपतवार नियंत्रण एवं सिंचाई प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया। आवश्यकता आधारित सिंचाई एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए कृषि प्रबंधन उपायों के कारण फसल की वृद्धि एवं विकास बेहतर हुआ।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत बड़वानी पुलिस ने विद्यार्थियों को किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक 2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बड़वानी श्री पद्मविलोचन शुक्ल के कुशल निर्देशन में जिलेभर में 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक व्यापक साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 30 जून 2026 को जयपुरिया हायर सेकेंडरी स्कूल, बड़वानी में छात्र-छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला साइबर एक्सपर्ट श्री रितेश खत्री ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई लिंक पर क्लिक न करें, किसी भी प्रकार की ।च्ज्ञ फाइल डाउनलोड या इंस्टॉल न करें तथा अपनी बैंकिंग, ओटीपी, पासवर्ड एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी डर, लालच एवं फर्जी ऑफर का सहारा लेकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। ऐसी किसी भी घटना की स्थिति में बिना घबराए तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा निकटतम पुलिस थाने में सूचना दें। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्ण एवं सीमित उपयोग करने, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा पढ़ाई, कौशल विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं : मंत्री भूरिया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को आजीविका भवन, झाबुआ में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में किए गए कार्यों की उपलब्धियों के साथ जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिवर्ष जल संवर्धन के कार्य किए जाते हैं, क्योंकि पानी जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में जल स्रोत सूख जाते हैं और यह समय उनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन का अवसर प्रदान करता है। सरकार का सदैव प्रयास रहा है कि जनसहयोग और जनभागीदारी से अधिक से अधिक कार्य संपन्न किए जाएं।

उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सदियों से ÷हलमा÷ जैसी परंपराओं के माध्यम से सामूहिक सहयोग की संस्कृति रही है। यह परंपरा हमारे व्यवहार और जीवनशैली का हिस्सा थी, लेकिन धीरे-धीरे व्यक्तिगत निर्भरता बढ़ने के कारण सामूहिक भागीदारी की भावना कमजोर हुई है। इस सोच को बदलने की आवश्यकता है। हमें अपनी परंपराओं को पुनः अपनाना होगा और जनहित के कार्यों में सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की आदत विकसित करनी होगी।

सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री भी जनभागीदारी आधारित विकास पर विशेष बल देते हैं। तालाबों की गाद अत्यंत उपजाऊ होती है और इसका उपयोग कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं का संरक्षण एवं उपयोग सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले में जल संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा चक्र प्रभावित हो रहा है, जो प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकेत है। उन्होंने कहा कि जिले और गांवों को पुनः हराभरा बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल देते हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि ÷जल है तो कल है÷ केवल एक नारा नहीं, बल्कि वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पानी की मांग और अधिक बढ़ने वाली है तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए जल संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयासों को जन आंदोलन का स्वरूप देना होगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जल संरक्षण के कार्यों में जनसहयोग के लिए आगे आएं। आगामी वर्षों में वाटरशेड डेवलपमेंट प्लानिंग एवं व्यक्तिगत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री भानु भूरिया ने कहा कि विगत तीन माह तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान ने जल के उपयोग, महत्व एवं संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा की है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मत्स्य पालन, आजीविका संवर्धन एवं समग्र विकास का आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरचनाओं के निर्माण एवं पुनरुद्धार का व्यापक कार्य हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगले वर्ष भी जनभागीदारी एवं जनसहयोग से इस अभियान को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन- कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश का वाचन भी किया गया।

झाबुआ में जल गंगा संवर्धन अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धियां, 17 विभागों ने मिलकर किया कार्य- मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ 19 मार्च 2026 को ग्राम पंचायत चारोलीपाड़ा, जनपद पंचायत झाबुआ में मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा तालाब में गाद निकासी हेतु श्रमदान कर किया गया था। इस अभियान में कुल 17 विभागों ने सहभागिता की, जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नोडल विभाग रहा।

उन्होंने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में कुल 7420 कार्य स्वीकृत किए गए, जिनमें से 6267 कार्य पूर्ण तथा 1153 कार्य प्रगतिरत हैं। अभियान के तहत 1233 फार्म पॉन्ड स्वीकृत किए गए, जिनमें 908 पूर्ण एवं 325 प्रगतिरत हैं, जिससे लगभग 605 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में वृद्धि होगी। 4071 डगवेल रिचार्ज पिट में से 3921 पूर्ण किए जा चुके हैं। 14 अमृत सरोवरों में से 8 पूर्ण एवं 6 प्रगतिरत हैं, जिनसे लगभग 60 हजार घनमीटर जल संरक्षण क्षमता बढ़ेगी। 1368 जल संरक्षण एवं रिचार्ज कार्यों में से 1048 पूर्ण तथा 320 प्रगतिरत हैं, जिनसे 52.40 लाख घनमीटर जल संरक्षण क्षमता विकसित होगी।

उन्होंने बताया कि सिंचाई अधोसंरचना के सभी 9 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनसे 90 हजार घनमीटर जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी। पीएमकेएसवाई के दोनों स्वीकृत कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। वाटरशेड संबंधी 81 कार्यों में से 76 पूर्ण एवं 5 प्रगतिरत हैं, जबकि जल संरचनाओं के 50 मरम्मत एवं रखरखाव कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। वीबी-जी-राम-जी अंतर्गत 210 कार्यों में से 155 पूर्ण तथा गैप फिलिंग इन प्लांटेशन के 382 कार्यों में से 90 पूर्ण किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जल संचय जनभागीदारी 2.0 पोर्टल पर निर्धारित 6826 फोटो अपलोड के लक्ष्य के विरुद्ध 7504 फोटो अपलोड कर 110 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। जनभागीदारी से 135 तालाबों में गाद निकासी कार्य किए गए, जिनसे प्राप्त 5728 घनमीटर मिट्टी का उपयोग किसानों द्वारा अपने खेतों में किया गया तथा तालाबों की जल संग्रहण क्षमता में लगभग 57.28 लाख घनमीटर की वृद्धि होगी। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा भी उल्लेखनीय कार्य किए गए। नगरीय विकास विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 7456 कार्य पूर्ण किए गए, जिनमें अमृत योजना अंतर्गत 6242 घरों में जल एवं सीवरेज कनेक्शन, 812 जल गुणवत्ता परीक्षण, 34 जल स्रोतों का संरक्षण, 38 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण तथा 37 नालों की साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण शामिल हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन द्वारा विभिन्न विद्यालयों में हेलन केलर डे मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हेलन केलर के जन्म दिवस 27 जून के अवसर पर मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय द्वारा क्रिस्ट ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उज्जैन एवं क्रिस्ट ज्योति कॉन्वेंट स्कूल, सांवेर में जागरूकता एवं समावेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की थीम "Connected by Touch: Breaking Barriers, Building Bridges" रही, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता, सहानुभूति, समावेशी शिक्षा एवं मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा समावेशी समाज का निर्माण करना था। महाविद्यालय निदेशक फादर डॉ. टॉम जॉर्ज ने अपने भाषण में बताया कि 19वीं सदी में जन्मी हेलन केलर दुनिया की पहली बधिरांध महिला थीं, जिन्होंने कला स्नातक की डिग्री हासिल कीद्य अपनी शारीरिक अक्षमताओं को पीछे छोड़कर पूरी दुनिया में दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी शिक्षा और समावेशन के लिए एक वैश्विक आंदोलन खड़ा किया। उनका जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंतर्गत दोनों ही विद्यालयों में विद्यार्थियों को दिव्यांगता का वास्तविक अनुभव कराने के लिए संवेदनशील व्यावहारिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने ब्लाइंड फोल्ड एक्सपीरियंस वॉक, साइन लैंग्वेज अवेयरनेस सेशन एवं मेमोरी टेस्ट विद साइन LANGUAGE जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने दृष्टिबाधित एवं श्रवण-बाधित व्यक्तियों के जीवन, उनकी चुनौतियों तथा उनकी भावनाओं को निकट से समझने का प्रयास किया। क्रिस्ट ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उज्जैन प्राचार्या सिस्टर जॉयस मारिया, शिक्षकगण तथा 150 से अधिक की संख्या में विद्यार्थियों ने पूरी ऊर्जा के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ श्रीमती मंजूषा डे, श्रीमती हेमांगी पाराशर एवं सुश्री आकांक्षा छेत्री द्वारा विद्यार्थियों को समावेशन, सांकेतिक भाषा एवं ब्रेल लिपि की जानकारी द्य क्रिस्ट ज्योति कॉन्वेंट स्कूल, सांवेर की प्राचार्या सिस्टर टेसीन, शिक्षकगण तथा 100 से अधिक विद्यार्थियों सहित मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय के निदेशक फादर डॉ. टॉम जॉर्ज, श्रीमती योगिता शर्मा, श्रीमती प्रीती सोनी, श्रीमती जूही चव्हाण, ने इस समावेशन कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बी.एड. प्रशिक्षनार्थियों की भारतीय सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान की गरिमापूर्ण प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हमारी संस्कृति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से उच्च शिक्षा तक लाने का अवसर है- राज्यपाल श्री पटेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय का छटवां दीक्षांत समारोह कालिदास संस्कृत अकादमी के पंडित सूर्य नारायण व्यास संकुल सभागृह में आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को मैडल और उपाधि प्रदान की गई।

राज्यपाल श्री पटेल ने समारोह में संबोधित करते हुए उपाधि प्राप्त सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि उपाधि प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी अपने जीवन में ज्ञान, अनुशासन का पालन करें। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अपनी जड़ों की ओर लौटने का अवसर दिया है। हमारी इसी संस्कृति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से उच्च शिक्षा तक लाने का अवसर है। विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि संस्कृत की पहचान विश्व में बनाएं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारा देश प्राचीन काल से ही विद्या के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। पहले भारत में लोग पढने आते थे, अब हमारे बच्चे पढ़ाई के लिए विदेश की ओर जा रहे है। विकसित भारत में 2024 में किसी को भी विदेश जाने की आवश्यकता नही होगी। उन्होने कहा कि हम संस्कृति और संस्कार की बात करते है, लेकिन रामायण, भागवत गीता के बारे में हमने कभी हमारे बच्चों को नही बताया, बच्चों के हाथों में खिलौने देते है। लेकिन अब बच्चों को संस्कार के साथ बताना जरूरी है कि हम प्रकृति के पुजारी है, सूर्य को अर्धय देते है।

राज्यपाल श्री पटेल ने बच्चों को सीख देते हुए कहा कि आज उपाधि लेने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में कितने ही सफल हो जाएं, लेकिन कभी अपने माता-पिता को ना भूलें। क्योंकि वे अत्यंत कठोर परिश्रम करके आपका पालन पोषण करते हैं तथा आपको उत्तम शिक्षा दीक्षा दिलवाते है। उन्होने कहा कि आज घरों में मातृ छाया, पितृ छाया लिखा होता है, लेकिन घरों में बुजुर्ग माता-पिता नही होते है। उन्होने कहा कि आज चरित्र निर्माण के लिए हम सभी को प्रयत्न करना होगा पुराने विचारों, संस्कारों और संस्कृति को विकसित कर हम विकसित भारत बनाएंगे।

डेंगू मलेरिया के बचाव हेतु रखे सावधानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डेंगू मलेरिया के बचाव हेतु मच्छरों से सावधान रहे। डेंगू, एडीज मच्छर के काटने से होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि, डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते है और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू मलेरिया के बचाव व नियंत्रण हेतु अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटाला या गंदगी न होने दें।

छत पर रखी पानी की खुली टंकियां। टूटे बर्तन, मटके, कुल्हड, गमलों में एकत्र जल में। बेकार फेंके हुए टायरों में एकत्र जल में। बिना ढंके बर्तनों में एकत्र जल में। गूलर में एकत्र जल में। किचन गार्डन में रुका हुआ पानी। गमले, फूलदान, सजावट के लिए बने फव्वारे में एकत्र जल मे। ऐसे करें बचाव डेंगू से बचाव- डेंगू फैलाने वाले मच्छर रुके हुए पानी में पनपते हैं। इससे बचने के लिए टायर, प्लास्टिक कवर, फूल के बर्तन, पालतू जानवरों के पानी के कटोरे आदि जैसी चीज़ों को ढकें।

मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के साथ हिरासत में आए 2 युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ मार्ग छज्जूखेड़ी से एक युवक को मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के साथ पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ करने पर उसने मुम्बई के युवक को बेचने की बात कहीं। पुलिस ने कार से निकले मुम्बई के युवक की तलाश शुरू की घोंसला वके समीप से उसे भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है।

राघवी पुलिस ने रविवार-सोमवार रात्रि गश्त के दौरान छज्जूखेड़ी से ईश्वर पिता तूफानसिंह 22 साल निवासी टीपूखेड़ा झारडा को पकड़ा गया था, उसके पास से मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद की गई। पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मुम्बई के मलाड़ में रहने वाले विनोद पिता रामकृष्ण सिरभाते को ड्रग्स देने आया था। मुम्बई के युवक की जानकारी लेने पर पता चला कि फार्च्युनर कार से निकला है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की तो उक्त कार घौंसला वाइन शॉप के सामने खड़ी मिली। पुलिस ने चालक के लौटने का इंतजार किया उसके आते ही उसे भी दबोच लिया। दोनों के पास से 19 ग्राम के लगभग ड्रग्स बरामद होने पर एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया। थाना प्रभारी विरेन्द्र बंदेवार ने बताया कि दोनों को सोमवार दोपहर उज्जैन कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 2 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। बताया जा रहा है कि ईश्वर से पूछताछ में पता चला कि वह डग बडौद स्थित घाटाखेड़ी के मेहरबान से ड्रग्स लेकर आता था। उसने कई लोगों से संपर्क बना रखा है, जो मादक पदार्थ का सेवन करते है। वह पिछले सालभर से ड्रग्स लाकर लोगों को बेचने का काम कर रहा है। राघवी पुलिस तस्कर का नाम सामने आने पर उसकी तलाश में घाटाखेड़ी जा सकती है। जानकारी यह भी सामने आई कि मुम्बई का विनोद पूर्व में भी ड्रग्स लेने आ चुका है। उसे नशे का शौक है, ईश्वर से उसका संपर्क 8 माह पूर्व हुआ था।

इंदौर के गोपाल मंदिर के गीता भवन और ऑडिटोरियम का संचालन करेगी उज्जैन की कंपनी

फूड कैफे भी होगा शुरू, हर साल 4 लाख रुपए देगी कंपनी- सांस्कृतिक आयोजनों के साथ बेहतर रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के गोपाल मंदिर परिसर में बने गीता भवन और ऑडिटोरियम के संचालन की जिम्मेदारी अब उज्जैन की एक निजी कंपनी को सौंपी गई है। कंपनी ऑडिटोरियम का संचालन करने के साथ परिसर में फूड कैफे भी संचालित करेगी। इसके बदले कंपनी नगर निगम को प्रतिवर्ष चार लाख रुपए का भुगतान करेगी। संचालन के लिए तय अनुबंध के अनुसार कंपनी भवनों का रखरखाव, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी निभाएगी।

इंदौर नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार गोपाल मंदिर परिसर में बने गीता भवन और ऑडिटोरियम का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका था। अब इन्हें व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए एजेंसी का चयन किया गया है। कंपनी यहां धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक कार्यक्रमों के लिए ऑडिटोरियम उपलब्ध कराएगी। साथ ही परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए फूड कैफे भी शुरू किया जाएगा। अनुबंध की शर्तों के अनुसार कंपनी भवनों में किसी प्रकार का स्थायी निर्माण या संरचना में बदलाव नहीं कर सकेगी। संचालन के दौरान भवन की मूल संरचना सुरक्षित रखना होगी। कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था बनाए रखने, साफ-सफाई और रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी भी कंपनी की रहेगी।

पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी योजना बनाई गई है। गोपाल मंदिर परिसर में सीमित स्थान होने के कारण कार्यक्रमों में आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग निकट स्थित नेहरूगंज क्षेत्र में कराई जाएगी। इससे मंदिर परिसर में यातायात और श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित नहीं होगी। नगर निगम का कहना है कि निजी एजेंसी के माध्यम से संचालन शुरू होने से गीता भवन और ऑडिटोरियम का नियमित उपयोग बढ़ेगा। इससे धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच मिलेगा, वहीं परिसर का बेहतर रखरखाव और सुविधाओं का विस्तार भी सुनिश्चित हो सकेगा।

शहर में 50 से ज्यादा आरा मशीनें, लाइसेंस सिर्फ 30 के पास

एक लाइसेंस पर दो-दो और तीन-तीन मशीनों का संचालन- वन विभाग को जानकारी के बावजूद वर्षों से कार्रवाई नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में नियमों को दरकिनार कर बड़ी संख्या में आरा मशीनों का संचालन किया जा रहा है। वन विभाग के रिकॉर्ड में जहां करीब 30 आरा मशीनें ही लाइसेंसधारी हैं, वहीं शहर में 50 से अधिक छोटी-बड़ी आरा मशीनें संचालित हो रही हैं। आरोप है कि कई फर्नीचर और लकड़ी कारोबारी एक ही लाइसेंस पर दो से तीन मशीनें चला रहे हैं। इसकी जानकारी वन विभाग को होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध संचालन लगातार बढ़ रहा है।

जानकारी के अनुसार शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कई आरा मशीनें मुख्य कारखानों से हटाकर दूसरी जगहों पर संचालित की जा रही हैं, ताकि जांच के दौरान उन तक आसानी से पहुंचा न जा सके। इन मशीनों पर बड़ी मात्रा में लकड़ी की चिराई होती है, जिससे संचालकों को मोटा मुनाफा मिल रहा है। इससे शासन को राजस्व का नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। वन विभाग के नियमों के अनुसार लाइसेंसधारी आरा मशीन संचालकों को लकड़ी खरीदने, चिराई करने, बिक्री और शेष स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज करना होता है। साथ ही परिसर में लाइसेंस, सूचना पट्ट और मशीन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इसके बावजूद कई स्थानों पर इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा।

कई वर्षों से नहीं हुई नियमित जांच- सूत्रों के अनुसार आरा मशीनों की वार्षिक जांच भी कई वर्षों से नियमित रूप से नहीं हो सकी है। ऐसे में नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो अवैध लकड़ी कारोबार और राजस्व हानि दोनों बढ़ने की आशंका है। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

छेड़छाड़ का विरोध किया तो दो भाइयों को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी में शामिल होकर बहन के साथ दो भाई घर लौट रहे थे रास्ते में कुछ युवकों द्वारा बहन के साथ छेड़छाड़ की जाने लगी भाइयों ने विरोध किया तो छेड़छाड़ करने वालों ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। आगर नाका के रहने वाले सोहेल पिता बरकत अली 25 वर्ष और उसके छोटे भाई साहिल 23 वर्ष को रात में उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों को चाकू लगे थे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। चिमनगंज पुलिस अस्पताल पहुंची, घायल भाइयों ने बताया कि वह अपनी छोटी बहन के साथ शादी में शामिल होने के लिए भेरूगढ़ गए थे। बाइक से वापस लौटकर घर आ रहे थे, आगर नाका चौराहा पर शाहरुख लाल मोंटी और उसके साथी खड़े हुए थे। उन्होंने बहन के साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया और कमेंट करने लगे। इसी बात पर उन्हें समझाने का प्रयास किया तो सभी ने मिलकर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने घायल भाइयों के बयान दर्ज कर चाकू मारने वालों की तलाश शुरू की है।

रात को भेरूगढ़ में हुई चाकूबाजी- चाकू बाजी का दूसरा मामला भेरूगढ़ थाना क्षेत्र चौराहा पर हुआ। अजय पिता पर्वत लाल सूर्यवंशी 24 साल श्री राम कॉलोनी मजदूरी कर रात 11-30 बजे घर लौट रहा था पीछे से कुणाल और उसके दो अन्य साथी बाइक से आए और तेज हॉर्न बजने लगे। अजय नशे की हालत में था उसने गाली गलौज शुरू कर दी। कुणाल और उसके साथियों ने विवाद करते हुए चाकू मार दिए। भेरूगढ़ पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया है।

कल दिनभर उमस के बाद शहर में कुछ जगह हुई बारिश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कल दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही और उमस तथा गर्मी लोगों को परेशान करती रही। शाम को शहर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई। हालांकि मौसम विभाग ने आज शहर और आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बारिश की संभावना जताई है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार मिल रही नमी के कारण अगले 24 घंटे में शहर और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के अनुसार पिछले 24 घंटों में बारिश दर्ज नहीं की गई।

कल दिन का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य लेकिन परसों की अपेक्षा 2 डिग्री अधिक था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री और कल की अपेक्षा 3.5 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से अब तक शहर में 117 मिमी (करीब 4.5 इंच) बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो सामान्य से 26.2 मिमी (करीब 1 इंच) कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आज गरज-चमक के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना है। बारिश होने पर तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिलेगी। दो दिन से बारिश नहीं होने से दिन में भी गर्मी बढ़ गई है और रात का तापमान भी बढ़ गया है।

माधवनगर स्टेशन के पास 30 हजार क्षमता वाला होल्डिंग एरिया आकार लेने लगा

28 पिलरों की नींव का काम शुरू, पेड़ हटने के बाद निर्माण में आई तेजी- इंदौरगेट और नीलगंगा में बनेंगे दो बड़े प्रतीक्षा क्षेत्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। माधवनगर रेलवे स्टेशन के समीप नीलगंगा क्षेत्र में 30 हजार यात्रियों की क्षमता वाले होल्डिंग एरिया का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। यहां 28 पिलरों की नींव के लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं और मशीनों से मिट्टी हटाने का काम जारी है। पेड़ हटाने के कारण कुछ समय के लिए रुका निर्माण कार्य अब फिर गति पकड़ चुका है।

रेलवे प्रशासन सिंहस्थ के दौरान मुख्य रेलवे स्टेशन पर भीड़ का दबाव कम करने के उद्देश्य से उज्जैन के दोनों प्रमुख छोरों पर होल्डिंग एरिया विकसित कर रहा है। नीलगंगा स्थित माधवनगर रेलवे स्टेशन के पास बनने वाले होल्डिंग एरिया में करीब 30 हजार यात्रियों को एक साथ ठहराया जा सकेगा, जबकि पुराने शहर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इंदौरगेट क्षेत्र में 20 हजार क्षमता का अलग होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। निर्माण कार्य कर रही एजेंसी के साइट इंजीनियर संदीप कुमार ने बताया कि 10 जून से काम शुरू हुआ था। प्रारंभिक पीसीसी का कार्य पूरा हो चुका है। कुछ पेड़ निर्माण में बाधा बन रहे थे, जिनके हटने के बाद अब 28 पिलरों के लिए गड्ढे खोदने और लोहे के कॉलम लगाने का काम तेजी से चल रहा है। जहां-जहां खुदाई पूरी हो चुकी है, वहां आगे की निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे ने दोनों स्थानों पर पहले से मौजूद रेल कर्मचारियों के क्वार्टर हटाकर निर्माण के लिए जमीन तैयार की है। परियोजना का लक्ष्य वर्ष 2027 तक दोनों होल्डिंग एरिया का निर्माण पूरा करना है, ताकि सिंहस्थ से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार हो सकें।

सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को सीधे रेलवे स्टेशन पर जाने की बजाय पहले इन होल्डिंग एरिया में रोका जाएगा। यहां यात्रियों के बैठने, पेयजल, टिकट और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। सुरक्षा जांच और टिकट सत्यापन के बाद ही यात्रियों को नियंत्रित तरीके से प्लेटफॉर्म तक भेजा जाएगा। इससे स्टेशन पर भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सकेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पिछले सिंहस्थ की तुलना में इस बार लगभग तीन गुना यानी करीब 7,800 ट्रेनों का संचालन प्रस्तावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए भीड़ प्रबंधन की यह व्यवस्था विकसित की जा रही है।

यह बोले अधिकारी- पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दोनों होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों को वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उज्जैन बड़नगर मार्ग पर दुर्घटना, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार दोपहर उज्जैन बड़नगर मार्ग पर सड़क दुर्घटना हो गई। एक व्यक्ति की मौत हुई है दूसरा घायल है। दोनों की पहचान जीजा साले के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है बुधवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। चिंतामण थाना पुलिस ने बताया उज्जैन बड़नगर मार्ग चंदू खेड़ी के समीप दुर्घटना में बाइक सवार दो व्यक्तियों के घायल होने की सूचना मिली थी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया जहां एक की मौत होना सामने आया दूसरा गंभीर रूप से घायल था। दोनों की पहचान करने पर मृतक का नाम बने सिंह चौधरी निवासी बड़नगर और घायल का नाम जीवन चौधरी सामने आए। दोनों रिश्ते में जीजा साले लगते थे। परिजनों को जानकारी दी गई शाम को उज्जैन पहुंचे परिजनों ने बताया कि बने सिंह जीजा है और जीवन साला लगता है। दोनों बाइक से उज्जैन आए थे और वापस ग्राम नवा जीवन चौधरी के यहां लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम किया गया है घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखकर दुर्घटना का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

ट्रेन के सामने कूदकर ठेकेदार ने की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह पहुंचे युवक ने ट्रेन के आते ही छलांग लगा दी। टकराने पर सिर में लगी चोंट से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते पंवासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल चिमनगंज थाना क्षेत्र का होना सामने आया। पुलिस ने युवक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की है। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि सुबह 9 बजे के लगभग गैस गोदाम के समीप ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पहुंचने पर जानकारी मिली कि युवक ने ट्रेन के सामने खुद कर आत्महत्या की है।

मामले की जांच शुरू की गई लेकिन घटनास्थल चिमनगंज थाना क्षेत्र का होना सामने आया। चिमनगंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मृतक युवक की बॉडी चरक अस्पताल ले जाई गई और उसकी पहचान के प्रयास शुरू किये। आधार कार्ड मिलने पर उसका नाम राजकुमार पिता पूरा लाल चौहान उम्र 46 वर्ष निवासी कंचनपुरा मक्सी रोड होना सामने आया। मामले की सूचना परिजनों को दी गई। जो चरक अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष पहुंचे थे। चिमनगंज थाना पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम किया गया है। फिलहाल परिजन काफी गमगीन थे और कुछ भी बता पाने की स्थिति में नहीं थे जिसके चलते युवक के साथ हुई पूरी घटना की जानकारी सामने नहीं आ पाई है सिर्फ इतना बताया गया कि वह ठेकेदारी का काम करता था और दो बच्चों का पिता था। संभावना जताई जा रही है कि पारिवारिक विवाद या फिर आर्थिक परेशानी के चलते उसने ट्रेन के सामने खुद कर आत्महत्या की है। परिजनों के बयान और जांच के बाद घटना की वजह सामने आ पाएगी।

आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए तिथि भोज का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दद्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर में सतत सुधार हेतु व्यापक सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए तिथि भोज आयोजन का आह्वान किया गया है। इच्छुक नागरिक, समाजसेवी, संस्थायें विशेष अवसरों जैसे जन्मदिवस, पुण्यतिथि विवाह वर्षगांठ को आंगनवाड़ी में दर्ज बच्चों के साथ मनाए जाने हेतु पौष्टिक भोजन, खाद्य सामग्री प्रदान कर तिथि भोज का आयोजन कर सकते है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के इस आह्वान पर मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम उज्जैन शहर में समाजसेवी श्री महेश खंडेलवाल जी द्वारा उनकी पत्नी स्व. लक्ष्मी देवी जी खंडेलवाल की 25 वी पुण्यतिथि पर तिथि भोज का आयोजन किया गया जिसमे उज्जैन शहर के वार्ड 42, वार्ड 43, वार्ड 52 की आंगनवाड़ियों के 200 बच्चों को दिनांक 26/06/26 को तिथि भोज करवाया गया।

कार्यक्रम में नगर निगम सभापति कलावती जी, उज्जैन महिला बाल विकास के संयुक्त संचालक श्री राजेश मेहरा जी सहित उज्जैन शहर की चरों परियोजना अधिकारी क्रमशः सुश्री प्रियंका जायसवाल, श्रीमती प्रीती कटारा, श्रीमती ज्योत्सना दीक्षित उपस्थित रहे। सभापति बहन कलावती जी ?द्वारा बच्चों के पोषण में सुधार हेतु समुदाय की सहभागिता के लिए उज्जैन महिला बाल विकास के संयुक्त संचालक श्री राजेश मेहरा एवं श्री महेश खंडेलवाल जी की इस पहल की प्रशंसा की गई तथा स्वयं बच्चों को भोजन परोसा गया। श्री राजेश मेहरा जी द्वारा बताया गया कि इच्छुक नागरिक नजदीकी आंगनवाडी केंद्र में तिथि भोज हेतु पूर्व पंजीयन एवं सहमति महिला बाल विकास की वेबसाइट एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है अथवा स्वयं आंगनवाड़ी में संपर्क कर सकते है।

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए उज्जैन से सैंकड़ों श्रद्धालु जाएंगे

मालवा एक्सप्रेस से पहला जत्था हुआ रवाना - 3 जुलाई से शुरु होगी यात्री 28 अगस्त तक चलेगी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन से इस वर्ष भी बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्रा के लिए बड़ी संख्या में शहर तथा जिले के लोग जाएंगे तथा बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। अमरनाथ यात्रा की विधिवत शुरुआत 3 जुलाई से शुरु होकर रक्षाबंधन तक चलेगी। मंगलवार दोपहर में उज्जैन रेलवे स्टेशन से मालवा एक्सप्रेस में सवार होकर कई श्रध्दालु अमरनाथ के लिए रवाना हुए।

3 जुलाई से शुरु होने जा रही अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं ने उज्जैन सहित जिले भर से रजिस्ट्रेशन करवा लिए हैं। मंगलवार दोपहर पहला जत्था उज्जैन स्टेशन से मालवा एक्सप्रेस द्वारा जम्मू रवाना हुआ। हर साल उज्जैन शहर तथा जिले से सैंकड़ों लोग बाबा बर्फानी के दर्शन करने जाते हैं। यात्रा इस बार रक्षाबंधन 28 अगस्त तक चलेगी। 56 दिनों की यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी सरकार मजबूत करने में जुट चुकी है और बड़े पैमाने पर तैयारियां चल रही हैं। यात्रा को सुगम और आसान बनाने के लिए सरकार सभी प्रकार के इंतजाम कर रही है। यात्रा के रूट को तैयार करने का काम भी जोरों से चल रहा है। श्राइन बोर्ड और सुरक्षा बल के अधिकारी व्यवस्था के लिए गुफा तक पहुंच गए हैं। तीर्थयात्रा शुरू होने से पहले दूरसंचार सेवाओं को और बेहतर तरीके से संचालित किया जाएगा। अमरनाथ यात्रियों के मेडिकल के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आधिकारिक तौर पर अमरनाथ यात्रा के शुरू होने में एक महीने का समय बाकी है और अधिकारी और सुरक्षा बल के जवान गुफा पर पहुंच चुके हैं। यात्रा के रास्ते पर बर्फ को साफ करने का काम भी लगभग पूरा कर लिया गया है। बर्फ को काट कर ट्रैक को यात्रियों के चलने लायक बनाया जा रहा है यहां के दोनों रास्तों (बालटाल और चंदनवाड़ी) पर सेना की सीमा सडक़ संगठन काम कर रही है।